PLANET NEWS INDIA Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, गुरुवार, 10 सितंबर 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

अलीगढ़: सांसद सतीश गौतम के नाम पर बना फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट, महिलाओं को फॉलो करने पर मचा बवाल, एफआईआर दर्ज

आईटी एक्ट समेत अन्य संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर किया है। अकाउंट फिलहाल बंद है। इस मामले की जांच के लिए एक टीम का गठन किया है। फिलहाल आईपी एड्रेस से ट्रेसिंग की जा रही है। सोशल साइट इंस्टाग्राम पर एक फर्जी आईडी बनाकर सांसद सतीश गौतम के नाम पर पोस्ट करने का मामला सामने आया है। इस फेक अकाउंट से महिला यूजर्स को फॉलो किया जा रहा है और उनके वीडियो रीपोस्ट किए जा रहे हैं। इसे लेकर भाजपा के जिला मंत्री मुकेश लोधी ने बीते 7 सितंबर को एसएसपी नीरज जादौन से लिखित शिकायत की। शिकायत में बताया कि अज्ञात व्यक्ति सांसद की पहचान का इस्तेमाल करते हुए एक फर्जी इंस्टाग्राम प्रोफाइल चला रहा है। महिलाओं को फॉलो करने और उनके वीडियो शेयर कर रहा है जिससे न केवल सांसद की गरिमा को ठेस पहुंच रही है, बल्कि उनकी सामाजिक और राजनीतिक छवि को धूमिल करने की एक गहरी साजिश भी रची जा रही है। एसएसपी के निर्देश पर क्वार्सी थाने के इंस्पेक्टर अरुण कुमार ने आईटी एक्ट समेत अन्य संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर किया है। सीओ तृतीय सर्वम सिंह ने बताया कि अकाउंट फिलहाल बंद है। इस मामले की जांच के लिए एक टीम का गठन किया है जिसमें साइबर सेल के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। फिलहाल आईपी एड्रेस से ट्रेसिंग की जा रही है।

नंदोत्सव : सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन, बांटे उपहार

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर वार्ष्णेय पहल की ओर से गायत्री पैलेस में नंदोत्सव आयोजित किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और प्रतियोगिताओं ने दर्शकों का मन मोह लिया। राधा-कृष्ण रूप सज्जा, राधा नृत्य और यशोदा नृत्य प्रतियोगिताएं कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी राजीव कृष्ण और व्यापारी संजीव वार्ष्णेय ने दीप जलाकर कर किया। पहल संगठन की महिला सदस्यों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। श्रीकृष्ण जन्म के साथ ही नंद घर आनंद भयो के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। मुकेश कुमार गुप्ता एडवोकेट नंद बाबा और मंजू गुप्ता माता यशोदा के स्वरूप में शामिल हुए। उन्होंने बाल गोपाल के साथ खुशियां मनाईं और श्रद्धालुओं को उपहार व मिठाइयां बांटीं। प्रतियोगिताओं में डॉ. मधु आंधीवाल, नूतन गुप्ता और प्रज्ञा वार्ष्णेय ने निर्णायक की भूमिका निभाई। विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। संचालन संगठन प्रभारी विष्णु कुमार बंटी ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष अमित कोनार्क, अतुल राजाजी आदि मौजूद रहे।

Aligarh News: नलों से आ रहा गंदा पानी, कई इलाकों में गहराया पेयजल संकट

शहर के देहली गेट के नगला मसानी इलाके से जुड़े विभिन्न मोहल्लों में लोग करीब दो महीने से साफ पानी के लिए तरस रहे हैं। घरों के नलों में पानी तो पहुंच रहा है, लेकिन वह इतना गंदा और बदबूदार है कि उसे पीना तो दूर, नहाने के लिए भी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। मजबूरी में लोगों को पानी खरीदकर प्यास बुझानी पड़ रही है। एक परिवार को कम से कम 40 रुपये बाजार से पानी खरीदने पर खर्च करने पड़ रहे हैं। वार्ड संख्या 26 नगला मसानी इलाके से जुड़े कैलाश गली, मुहल्ला फौजियान, इंद्रजीत पंडा वाली गली, मंदिर वाली गली, मास्टर गली में करीब दो महीने से गंदे और बदबूदार पानी की आपूर्ति लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि समस्या को लेकर कई बार शिकायत की गई है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी समस्या का समाधान कराने के बजाय अनदेखी कर रहे हैं।

आरोप है कि सुबह जब नल खोले जाते हैं तो पानी के साथ दुर्गंध भी आती है। पानी का रंग भी साफ नहीं रहता। रोजमर्रा की जरूरत पूरी करने के लिए बाजार से पानी खरीदना पड़ रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की मुश्किलें तो और भी बढ़ गई हैं।

अलीगढ़: 25 दिन में होगी सिलिंडर बुकिंग, शहर से देहात तक व्यवस्था लागू, 10 सितंबर से मिलेगा मुफ्त राशन

अलीगढ़ में घरेलू गैस सिलिंडर की बुकिंग और डिलीवरी की व्यवस्था अब शहर से देहात तक एक समान कर दी गई है। इसके साथ ही, सितंबर में राशन कार्ड धारकों को मुफ्त खाद्यान्न और सस्ती चीनी मिलेगी। शहर से देहात तक घरेलू गैस सिलिंडर की बुकिंग और डिलीवरी की व्यवस्था एक जैसी कर दी गई है। पहले ग्रामीण क्षेत्रों में 45 और शहर में 25 दिन बाद बुकिंग की सुविधा दी जा रही थी। अब इसे एक सामान रूप से 25 दिन कर दिया गया है।

शहर से देहात तक कोई भी उपभोक्ता 25 दिन बाद सिलिंडर की बुकिंग करा सकता है।जिला पूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह ने बताया कि संबंधित गैस कंपनियों के अधिकारियों के पास इससे संबंधित दिशा-निर्देश आए हैं। गैस की कोई दिक्कत नहीं है। एलपीजी गैस डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन के अध्यक्ष केके तिवारी ने बताया कि अब शहर से देहात तक सभी जगह 25 दिन में बुकिंग की जा सकेगी। जिले में लगभग सात लाख उपभोक्ताओं को 60 गैस एजेंसियों के माध्यम से सिलिंडर दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी उपभोक्ता अपनी केवाईसी पूरी करा लें। लगभग 18 फीसदी उपभोक्ताओं की केवाईसी नहीं हुई है।

सितंबर में राशन कार्ड धारकों को मिलेगा मुफ्त खाद्यान्न

जिले में सितंबर के राशन वितरण की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 10 से 25 सितंबर 2026 तक पात्र राशन कार्ड धारकों को मुफ्त खाद्यान्न वितरित किया जाएगा। इसके साथ ही जुलाई से सितंबर तक के कोटे की तीन किलो चीनी 54 रुपये में उचित दर की दुकान से मिलेगी। अंत्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 35 किलो मुफ्त खाद्यान्न दिया जाएगा। इसमें 21 किलो गेहूं, नौ किलो चावल, तीन किलो बाजरा और दो किलो मक्का शामिल है।

जिन दुकानों पर बाजरा और मक्का उपलब्ध होगा, वहां पहले इनका वितरण किया जाएगा। इसके बाद गेहूं-चावल मिलेगा। पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रत्येक यूनिट पर पांच किलो खाद्यान्न मिलेगा। इसमें दो किलो गेहूं, एक किलो चावल, एक किलो बाजरा और एक किलो मक्का शामिल है। स्टॉक के अनुसार गेहूं-चावल की मात्रा समायोजित की जाएगी। जिला पूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह ने बताया कि कार्डधारक पोर्टेबिलिटी के जरिए किसी भी उचित दर विक्रेता से राशन ले सकते हैं। आधार प्रमाणीकरण में दिक्कत होने पर मोबाइल ओटीपी से सत्यापन कर राशन दिया जाएगा। कम राशन या अनियमितता की शिकायत एसडीएम, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी या जिला पूर्ति कार्यालय में की जा सकती है।

Aligarh News: मुनाफे के चक्कर में व्यापारी ने गंवाए 18.74 लाख रुपये

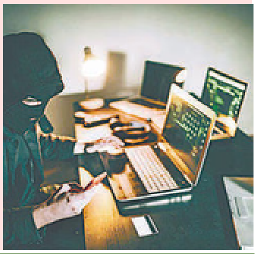

खैर क्षेत्र में कारोबार से जुड़े काम के लिए गूगल पर नंबर सर्च करना एक व्यापारी को महंगा पड़ गया। साइबर ठगों ने बड़ी कंपनी से जुड़कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर उनसे अलग-अलग किस्तों में 18.74 लाख रुपये ठग लिए। ठगी का अहसास तब हुआ, जब रकम वापस मांगने पर आरोपियों ने पांच लाख रुपये और जमा करने की मांग कर दी। खैर के गांव मालीपुरा निवासी व्यापारी सतीश सैनी को कारोबार से संबंधित काम के लिए एक नंबर की जरूरत थी। उन्होंने गूगल पर नंबर तलाशा। इसके कुछ देर बाद उनके पास एक अज्ञात नंबर से महिला का फोन आया। महिला ने खुद को एक बड़ी कंपनी का प्रतिनिधि बताया और कंपनी से जुड़कर अच्छा मुनाफा कमाने का लालच दिया। उसकी बातों में आकर व्यापारी साइबर ठगों के जाल में फंस गए। आरोपियों के कहने पर सतीश ने पांच अगस्त से एक सितंबर के बीच अलग-अलग बैंक खातों में कुल 18,74,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। मुनाफे के साथ रकम वापस मिलने की उम्मीद में वह लगातार पैसे भेजते रहे। बाद में जब उन्होंने अपनी रकम और मुनाफा वापस मांगा तो आरोपियों ने पांच लाख रुपये और जमा करने के लिए कहा। इसके बाद उन्हें ठगी का अहसास हुआ। व्यापारी ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। एसपी क्राइम ममता कुरील ने बताया कि अज्ञात साइबर अपराधियों की तलाश की जा रही है।

Aligarh News: एएमयू ने पेश किए 100 साल पुराने दस्तावेज

नगला पटवारी इलाके में स्थित करीब 500 करोड़ रुपये की 3.863 हेक्टेयर जमीन के मालिकाना हक के संबंध में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी और नगर निगम के बीच विवाद में बुधवार को एसडीएम कोल न्यायालय में सुनवाई हुई। इसमें एएमयू ने पुराने और पुख्ता दस्तावेज पेश कर दिए हैं। बुधवार को एएमयू के प्रतिनिधियों ने अदालत के समक्ष अपने मालिकाना हक को साबित करने के लिए ऐतिहासिक और राजस्व अभिलेख रखे। यूनिवर्सिटी का दावा है कि उनके पास इस जमीन के पुख्ता सबूत हैं। एएमयू की तरफ से कोर्ट में जो दस्तावेज पेश किए गए हैं, उनमें सन 1925 के पुराने दस्तावेज, सन 1941 के राजस्व अभिलेख, सन 1992 की खतौनी पेश की गई। इन सभी पुराने कागजातों के आधार पर एएमयू इस पूरी जमीन पर अपना कानूनी हक जता रही है।

नगर निगम ने मांगा समय, 22 को अगली सुनवाई

एएमयू द्वारा अदालत में दस्तावेज पेश किए जाने के बाद अब नगर निगम को इन पर अपना पक्ष और जवाब रखना है। इसके लिए नगर निगम की ओर से न्यायालय से कुछ समय की मांग की गई, जिसे स्वीकार करते हुए एसडीएम कोल डॉ. गजेंद्रपाल सिंह ने अगली सुनवाई के लिए 22 सितंबर की तारीख मुकर्रर की है। एसडीएम न्यायालय ने लिखित स्थगन आदेश भी जारी कर दिया है। इससे पहले डीएम अविनाश कुमार ने मौखिक रूप से जमीन पर यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए थे।

Aligarh News: दिन भर बिजली संकट से परेशान रहे शहरवासी

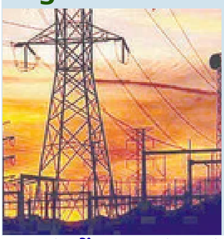

शहर में बुधवार को अलग-अलग बिजलीघरों के फीडरों में फॉल्ट और अन्य तकनीकी दिक्कतों के चलते कई इलाकों में घंटों बिजली गुल रही। बिजलीघरों पर दिन भर इस बारे में शिकायतें आती रहीं। शहर के विद्यानगर इलाके में सुबह से शाम तक बिजली न मिलने से उपभोक्ता परेशान रहे। दीनदयाल बिजलीघर के विद्यानगर कॉलोनी फीडर से जुड़े लोगों के अनुसार सुबह 10 बजे से बिजली बंद रही। शाम तक बिजली नहीं आने पर लोगों में नाराजगी बढ़ गई। किला बिजलीघर से जुड़े फिरदौस नगर, बरौला, नगला, अनूपशहर रोड और किला रोड क्षेत्र के लोगों ने बिजली कटौती की शिकायत की। सुबह क्लॉक टावर बिजलीघर के अनूपशहर रोड, रामनगला, शक्ति नगर, रावण टीला में घंटों बिजली नहीं आने की शिकायतें सामने आईं। वहीं अवंतिका फेज-1 फीडर-2 की आपूर्ति करीब डेढ़ घंटे से बाधित होने की जानकारी दी गई। भुजपुरा-कमेला रोड के लोगों ने रोजाना बिजली कटौती से काम प्रभावित होने की शिकायत की। बारहद्वारी बिजलीघर के रघुवीरपुरी फीडर से जुड़े उपभोक्ताओं ने भी सुबह से दोपहर बाद तक बिजली नहीं आने की शिकायत की। शाम के वक्त एकता नगर के आई ब्लॉक में एक फेज नहीं आने की शिकायत सामने आई। अधीक्षण अभियंता शहरी अंशुमान यादव ने बताया कि फॉल्ट के चलते कई इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई, जिन्हें टीम भेजकर सही कराकर आपूर्ति को बहाल कराया गया।

बंदरों का आतंक: बंदर की घुड़की से डरी महिला छत से आंगन में गिरी, लहूलुहान हालत में देख उड़े होश, मौत से मातम

बताया जा रहा है कि गभाना के बलवंत नगलिया में करीब 100 घर हैं। गांव में 250 से ज्यादा बंदर हैं। यह बंदर गली, घरों की छत, छज्जों पर रहते हैं। मौका मिलते ही घरों के अंदर भी घुस जाते हैं। गभाना के बलवंत नगलिया गांव में बुधवार की सुबह छत पर मौजूद रामवती (55) के पास एक बंदर पहुंच गया। उन्होंने भगाने की कोशिश की तो बंदर घुड़की देने लगा। इस पर डरकर वह भागीं तभी पैर फिसलने से नीचे आंगन में आ गिरीं और मौत हो गई। घटना सुबह करीब सात बजे की है। जिस समय घटना हुई घर पर कोई नहीं था। पति प्रमोद कुमार सिंह डेयरी में दूध देने गए थे। वहां से लौटने पर आंगन में पत्नी को लहूलुहान हालत में पड़े देखा तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने शोर मचाया तो आसपास के लोग भागकर उनके घर के अंदर पहुंचे। तब तक उनकी पत्नी की मौत हो चुकी थी। प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि उनके दो बेटे हैं। दोनों नोएडा में नौकरी करते हैं। खबर मिलने पर वह भी गांव आ गए। घटना से परिजन का रो-रोकर बुरा हाल था। परिजन ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही दोपहर में शव का अंतिम संस्कार कर दिया। गभाना थाने के इंस्पेक्टर मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मामले में सूचना नहीं मिली है।

100 घरों का गांव, 250 से ज्यादा बंदर

गभाना कस्बे से करीब छह-सात किलोमीटर की दूरी पर स्थित बलवंत नगलिया छोटा गांव है। गांव में करीब 100 घर हैं। गांव के धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि गांव 250 से ज्यादा बंदर हैं। यह बंदर गली, घरों की छत, छज्जों पर रहते हैं। मौका मिलते ही घरों के अंदर भी घुस जाते हैं। अक्सर टोली बनाकर निकलने के साथ रास्ते पर अकेले आने-जाने वालों पर हमला कर देते हैं। चार-माह के भीतर गांव के 10-12 लोगों को बंदर काट चुके हैं। इनमें महिलाएं-बच्चे शामिल हैं।

बंदर काटने के 35 लोग रोजाना पहुंच रहे सीएचसी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गभाना में रोजाना एंटी रैबीज वैक्सीन लगवाने के लिए करीब 80 लोग पहुंच रहे हैं। सीएचसी अधीक्षक डॉ. राहुल कुमार के अनुसार इनमें 35 पीड़ित बंदरों के काटने के आते हैं। गभाना के लोगों के अनुसार कस्बे में भी बड़ी संख्या में बंदर हैं, जो अक्सर अकेले गलियों में निकलने वालों पर हमला कर देते हैं।

यूपी: मायावती ने भतीजे आकाश को पार्टी से निकाला

चुनाव से पहले बसपा में संग्राम; समधी अशोक पर भी कही ये बात

आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ के संन्यास पर मायावती का बयान सामने आया। उन्होंने अशोक के कदम को 'देर आए-दुरुस्त आए' बताया। साथ ही आकाश आनंद बसपा से पूरी तरह मुक्त कर दिया। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने समधी अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने के एलान पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अशोक सिद्धार्थ के फैसले को देर से उठाया गया सही कदम बताया। साथ ही आकाश आनंद को लेकर भी बड़ा फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि यदि अशोक सिद्धार्थ ने पहले ही राजनीति से संन्यास ले लिया होता तो बसपा, बहुजन समाज और बहुजन मूवमेंट के साथ-साथ आकाश आनंद को भी विपरीत परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ता। मायावती ने कहा कि अशोक सिद्धार्थ का राजनीति से संन्यास लेना 'देर आए, दुरुस्त आए' की तरह अच्छी बात है। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि अशोक सिद्धार्थ की नीयत और अभिलाषा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

'पहले संन्यास लेते तो कई कड़े फैसले लेने की जरूरत नहीं पड़ती'

मायावती ने कहा कि अगर अशोक सिद्धार्थ पहले ही यह फैसला ले लेते तो उन्हें विधानसभा चुनाव और खासकर उत्तर प्रदेश में पांचवीं बार सरकार बनाने की तैयारियों के बीच पार्टी और मूवमेंट के व्यापक हित में उनके बारे में कई बार कड़े फैसले लेने की जरूरत नहीं पड़ती। बसपा की अंबेडकरवादी राजनीति की पहचान त्याग, तपस्या, संघर्ष और कुर्बानी के साथ-साथ निजी और पारिवारिक स्वार्थ से दूर रहने की रही है।

'निजी-पारिवारिक स्वार्थ और पद की लालसा से ऊपर उठना होगा'

मायावती ने कहा कि पार्टी के सभी लोगों को बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर और कांशीराम के आदर्शों से सीख लेते हुए निजी और पारिवारिक स्वार्थ तथा पद की लालसा से ऊपर उठना चाहिए। तभी बहुजन समाज शासक वर्ग बन सकेगा। जितना महान लक्ष्य होता है, उतनी ही बड़ी कुर्बानी की जरूरत होती है।

आकाश आनंद के रवैये पर भी मायावती ने उठाए सवाल

मायावती ने आकाश आनंद के रवैये पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि आकाश आनंद ने उनके सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर अशोक सिद्धार्थ से संबंधित पोस्ट को रिपोस्ट करना उचित नहीं समझा, जबकि वह पोस्ट उनके ही सकारात्मक और भलाई के लिए थी। मायावती ने कहा कि इससे पहले आकाश आनंद उनके एक्स पोस्ट को रिपोस्ट कर अपनी वफादारी का सबूत देने का प्रयास करते रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इससे ऐसा लगता है कि अशोक सिद्धार्थ और आकाश आनंद दोनों को पार्टी और मूवमेंट की सफलता से अधिक निजी और पारिवारिक स्वार्थ का मोह है।

'आकाश आनंद डबल माइंड होकर पार्टी का भला कैसे कर सकते हैं?'

मायावती ने कहा कि यदि आकाश आनंद को पार्टी और मूवमेंट के वास्तविक हित तथा अपने राजनीतिक करियर की तुलना में रिश्ते-नातों का मोह अधिक है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि वह 'डबल माइंड' होकर बीएसपी और बहुजन मूवमेंट का भला कैसे कर सकते हैं।

आकाश आनंद को पार्टी से पूरी तरह मुक्त करने का एलान

मायावती ने कहा कि पार्टी के लोगों को यही बेहतर लगता है कि जिस तरह तीन सितंबर 2026 को आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के महत्वपूर्ण पद की सभी जिम्मेदारियों से मुक्त किया गया था, उसी प्रकार अब उन्हें पार्टी में भी पूरी तरह स्वतंत्र कर दिया जाए। आकाश आनंद पार्टी में अब स्वतंत्र रहना चाहते हैं तो वे स्वतंत्र हैं। अर्थात अब इनको पार्टी से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है।

यूपी में फिर सरकार बनाने के संघर्ष का आह्वान

मायावती ने अंत में बसपा कार्यकर्ताओं से विरोधियों के साम, दाम, दंड और भेद जैसे हथकंडों का डटकर सामना करने की अपील की। उन्होंने खासकर उत्तर प्रदेश में फिर से पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की नीति के साथ मजबूत कानून-व्यवस्था और बेहतर विकास वाली सरकार बनाना है और यही लक्ष्य सर्वोपरि होना चाहिए।

आजम खां की फिर बढ़ीं मुश्किलें: हज समिति की जमीन बिक्री में रिपोर्ट दर्ज, चंदा देने वाले बिल्डर से होगी पूछताछ

जेल में बंद सपा नेता आजम खां की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब आजम खां पर राज्य हज समिति की जमीन बेचने में गड़बड़ी के आरोप में विजिलेंस ने मुकदमा दर्ज किया गया है। आजम खां के अलावा चार अन्य भी आरोपी बनाए गए हैं। शासन ने तीन मई 2024 को मामले की जांच के आदेश दिए थे। जांच में सामने आया कि आमिश डेवलपर्स को फायदा पहुंचाने के लिए जमीन बेचने में नियमों का पालन नहीं किया गया।

सपा नेता आजम खां की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। अब उन पर राज्य हज समिति की जमीन बेचने में गड़बड़ी के आरोप में विजिलेंस ने एफआईआर दर्ज की है। आजम उस समय राज्य हज समिति के अध्यक्ष थे। मामले में तत्कालीन सचिवों लईक अहमद व डॉ. एमएए खान, आमिश डेवलपर्स के प्रोपराइटर मो. अयूब और मुस्तकीम अहमद को भी आरोपी बनाया गया है। विजिलेंस जांच में जमीन की बिक्री से समिति को 2.08 करोड़ रुपये के राजस्व के नुकसान की पुष्टि हुई है। विजिलेंस के लखनऊ सेक्टर में इंस्पेक्टर ध्रुव चंद्र मौर्य की तहरीर पर दर्ज एफआईआर के मुताबिक राजधानी के ऐशबाग क्षेत्र के कायमखेड़ा (दुगांवा) में खसरा संख्या-117 में हज समिति की करीब 60 हजार वर्गफीट जमीन थी।

विजिलेंस के लखनऊ सेक्टर में दर्ज हुई एफआईआर, 4 अन्य भी आरोपी

विजिलेंस को शिकायत मिली थी कि जमीन की बिक्री में आजम व अन्य आरोपियों ने निजी फर्म को फायदा पहुंचाने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया और जमीन बिक्री में नियमों को नजर अंदाज किया गया। जांच के बाद विजिलेंस ने धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत केस दर्ज कर विवेचना इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह को सौंपी है। शासन ने तीन मई 2024 को मामले की जांच के आदेश दिए थे। जांच में सामने आया कि आमिश डेवलपर्स को फायदा पहुंचाने के लिए जमीन बेचने में नियमों का पालन नहीं किया गया।

जौहर ट्रस्ट को चंदा देने वाले रामपुर के बिल्डर खालिद से होगी पूछताछ

पूर्व मंत्री आजम खां के करीबी माने जाने वाले बिल्डर एवं ठेकेदार सैयद खालिद से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पूछताछ करने जा रहा है। ईडी उनको समन भेजकर राजधानी स्थित जोनल कार्यालय में तलब करेगा। वह जौहर एसोसिएट फर्म से जुड़े बताए जाते हैं और दिल्ली समेत कई शहरों में रिहायशी प्रोजेक्ट के निर्माण का कार्य करते हैं। इसके अलावा आधा दर्जन से अधिक बिल्डर भी रडार पर आ चुके हैं। ईडी ने बीते माह जौहर ट्रस्ट के ठिकानों पर छापे मारे थे, जिसमें कई बिल्डरों और ठेकेदारों द्वारा चंदा देने के सुराग हाथ लगे थे। रामपुर और दिल्ली के यह लोग आजम के करीबियों में माने जाते थे। जांच में पता चला कि बजट की रकम का बड़ा हिस्सा ट्रस्ट को बतौर चंदा दिया गया।

यूपी राजनीति: मायावती को अशोक सिद्धार्थ की पाती, 'संन्यास लेने से आकाश आनंद के करियर तक' खुलकर लिखी मन की बात

मायावती के 'राजनीति से संन्यास' लेने के सुझाव पर आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ ने बसपा सुप्रीमो को संदेश लिखा है। इसमें उन्होंने कहा कि आपका आदेश मेरे लिए अंतिम शब्द है। आकाश आनंद को गुमराह करने का आरोप निराधार है। मैं संन्यास लेने के लिए तैयार हूं। मेरे संन्यास को आकाश की वापसी से न जोड़ा जाए। बसपा सुप्रीमो मायावती की ओर से राजनीति से संन्यास लेने की बात कहे जाने के बाद पूर्व राज्यसभा सदस्य अशोक सिद्धार्थ ने उन्हें पत्र लिखकर अपना जवाब दिया है। पत्र में सिद्धार्थ ने मायावती के प्रति अपनी निष्ठा जताते हुए कहा कि उनके लिए बहनजी का आदेश दुनिया की किसी भी चीज से बढ़कर है। हमने पिछले 35 वर्षों से बसपा, कांशीराम और डॉ. भीमराव आंबेडकर के मिशन के लिए समर्पित होकर काम किया है। अशोक सिद्धार्थ ने पत्र में मायावती को अपनी राजनीतिक गुरु और बड़ी बहन बताते हुए कहा कि उन्होंने उन्हें विधान परिषद और राज्यसभा तक पहुंचाया। परिवार के सदस्य के रूप में सम्मान दिया। यह उनका ऐसा ऋण है, जिसे वह इस जीवन में चुका नहीं सकते।

पार्टी हित के खिलाफ कभी काम नहीं किया

सिद्धार्थ ने कहा कि उन्होंने कभी पार्टी के हित के खिलाफ कोई काम नहीं किया। मायावती के खिलाफ कुछ करने के बारे में सपने में भी नहीं सोच सकते। उन्होंने तथागत गौतम बुद्ध और कांशीराम को साक्षी मानते हुए अपनी निष्ठा का उल्लेख किया। कहा कि मायावती की एक-एक नसीहत और आदेश उनके लिए अंतिम शब्द हैं।

आकाश आनंद को सलाह देने के आरोप को बताया गलत

अशोक सिद्धार्थ ने पत्र में आकाश आनंद को सलाह देने या उन्हें गुमराह करने के आरोपों को भी खारिज किया। उन्होंने कहा कि बीते कई महीनों से आकाश आनंद से उनकी मुलाकात भी केवल कुछ अवसरों पर हुई, जब उनके कार्यक्रम उन राज्यों में थे, जिनकी जिम्मेदारी मायावती ने उन्हें दी थी। उन्होंने कहा कि पार्टी के कुछ साथी उन्हें मायावती से मिले सम्मान के कारण यह आरोप लगाते हैं कि वह पार्टी पर कब्जा करना चाहते हैं या आकाश आनंद को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। ये सब आरोप पूरी तरह निराधार हैं। यह राजनीतिक विरोधियों की साजिश है।

आकाश आनंद को वापस जिम्मेदारी देना आपका फैसला

सिद्धार्थ ने मायावती से अनुरोध किया कि उनके संन्यास लेने के फैसले को आकाश आनंद की वापसी से जोड़कर न देखा जाए। आकाश आनंद उनके दामाद से पहले मायावती के भतीजे और आनंद कुमार के बेटे हैं। आकाश ने जीवन के दो दशक मायावती की छत्रछाया और देखरेख में बिताए हैं। उनके जैसे मामूली कार्यकर्ता के लिए आकाश आनंद को गुमराह करना संभव नहीं है। उनको वापस जिम्मेदारी देना या न देना मायावती का फैसला है।

'मिशन को नुकसान हो रहा है तो अभी संन्यास ले रहा हूं'

पत्र में अशोक सिद्धार्थ ने मायावती की त्याग और समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि यदि उन्हें लगता है कि उनके राजनीतिक और सामाजिक जीवन में बने रहने से बहुजन मिशन को नुकसान पहुंच रहा है तो वह तत्काल राजनीति और सामाजिक जीवन से संन्यास लेने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि उनका पूरा जीवन मायावती का ऋणी है और उनके लिए संन्यास लेना बहुत छोटी बात है। पत्र के अंत में उन्होंने 'जय भीम, जय भारत और जय बहुजन समाज' लिखते हुए खुद को मायावती का कार्यकर्ता बताया और पत्र में हुई देरी के लिए क्षमा मांगी।

यूपी में पांच की मौत: 'धमाका हुआ और...', रोडवेज की रफ्तार से बिखरे परिवार, शादी के कार्ड बांटने निकले थे साजिद

भाग गया। यात्रियों ने बताया कि चालक बड़ौत से ही तेज रफ्तार से चल रहा था। कई बार दूसरे वाहनों से टकराने से भी बचा।

मुजफ्फरनगर के लिए चली थी। दोपहर में 3:15 बजे बुढ़ाना से निकलते ही भैसाना गांव के पास चालक ने आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया। तेज रफ्तार होने के कारण बस अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद बाइक सवार उछलकर मार्ग के किनारे के खेतों में जा गिरे। कई दोपहिया वाहन चालकों ने किसी तरह इधर-उधर वाहन दौड़ाकर जान बचाई। हादसे के बाद कई लोग मौके पर जमा हो गए। पुलिस भी मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। हादसे में एक बाइक पर सवार बागपत के दोघट थाना क्षेत्र के तमेलागढ़ी गांव निवासी फरमान (26), उनकी पुत्री सुहाना उर्फ अल्लो (03) और बहनोई बुढ़ाना के राजपुर गढ़ी निवासी मोमीन (25) की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी बाइक पर सवार गंभीर घायल शामली के कांधला कस्बे के मोहल्ला खैल कलां निवासी साजिद (49) और इदरीश (67) को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया लेकिन दोनों चचेरे भाइयों की उपचार के दौरान मौत हो गई। एसपी देहात अक्षय संजय महाडीक, एसपी यातायात अतुल कुमार चौबे ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। सीओ बुढ़ाना गजेंद्र कुमार ने बताया कि शवों को मोर्चरी भिजवा दिया गया है। बस को कब्जे में लिया गया है। चालक की तलाश की जा रही है।

शादी के कार्ड बांटने निकले थे साजिद

कांधला निवासी साजिद की दो बेटियों की शादी 18 सितंबर को होनी है। बुधवार को वह अपने चचेरे भाई इदरीश के साथ कार्ड बांटने मुजफ्फरनगर आए थे, यहां से लौटते समय बुढ़ाना में हादसा हो गया।

सोरम से लौट रहे थे बागपत के फरमान

बागपत के तमेलागढ़ी गांव के फरमान अपनी बेटी सुहाना और बहनोई मोमीन के साथ शाहपुर के सोरम गांव आए थे। दोपहर के समय रिश्तेदारी से लौटते समय परिवार भैसाना में हादसे का शिकार हो गया।

कांपने लगी सवारियां... मदद के लिए आया भैसाना

हादसे के बाद बस में सवार यात्री कांपने लगे। जोर का धमाका हुआ तो इधर-उधर खड़े लोगों की नजर भी घटनास्थल पर गई। राहगीरों ने अपने वाहन रोक लिए। भैसाना में अपने घरों के पास खड़े लोगों ने शोर मचाया। गांव के सैकड़ों लोग एकत्र हो गए। पुलिस और एंबुलेंस को कॉल की गई। इस बीच चालक बस को रोककर फरार हो गया। बस के यात्री नीचे उतरे। भयावह हादसे से यात्री कांपने लगे। बस की टक्कर से बाइक सवार दूर जाकर गिरे चार

परिचालक ने एआरएम को बताई हादसे की वजह

खतौली के एआरएम राकेश कुमार हादसे के बाद मौके पर पहुंचे। उन्होंने बस के परिचालक से संपर्क किया और हादसे की वजह पूछी। परिचालक ने बताया कि आगे चल रही ईको को ओवरटेक करने के दौरान यह हादसा हुआ है।

ओवरटेक करते समय रोडवेज बस ने दो बाइक में मारी टक्कर, पांच की मौत

मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना में बड़ौत-मुजफ्फरनगर मार्ग पर बुधवार को दोपहर में बड़ौत डिपो की रोडवेज बस ने आगे चल रहे ईको वाहन को ओवरटेक करने के दौरान विपरीत दिशा से आ रही दो बाइकों में टक्कर मार दी। बाइक सवार उछलकर दूर जा गिरे। एक बाइक पर सवार बागपत के पिता-पुत्री समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कांधला के चचेरे भाइयों को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। मरने वाले ईंट भट्ठों पर मजदूरी करते थे। रोडवेज की बस बड़ौत से । अपनों का इंतजार कर रहे बेबस परिवार आंसू बहा रहे हैं। बड़ौत डिपो से मुजफ्फरनगर के लिए रोडवेज बस दोपहर दो बजे 32 यात्रियों को लेकर चली थी। लगभग पौने तीन बजे बस बुढ़ाना पहुंची। अधिकतर सवारियां बुढ़ाना में ही उतर गई थी। यहां से बस में मुजफ्फरनगर के लिए 17 यात्री सवार हुए। भैसाना तक पहुंचने में परिचालक ने सात सवारियों के टिकट ही बने थे। इस बीच रोडवेज चालक ने आगे चल रही ईको को ओवरटेक करने के चक्कर में रफ्तार बढ़ा दी। काफी दूर तक रोडवेज और ईको बराबर चलते रहे। बस आगे निकली लेकिन एन वक्त पर सामने की तरफ से आ रही दो बाइकों में टक्कर मार दी। हादसा होते ही जोर का धमाका हुआ। बस में सवार यात्री चीख पुकार मचाने लगे। भैसाना के अनवार ने बताया कि वह अपनी चारपाई पर बैठे हुए थे। दूर से ही बस अनियंत्रित नजर आई। बाइकों में टक्कर मारने के बाद चालक ने बस को एक साइड में रोका और उतरकर

आजम खां की फिर बढ़ीं मुश्किलें: हज समिति की जमीन बिक्री में रिपोर्ट दर्ज, चंदा देने वाले बिल्डर से होगी पूछताछ

जेल में बंद सपा नेता आजम खां की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब आजम खां पर राज्य हज समिति की जमीन बेचने में गड़बड़ी के आरोप में विजिलेंस ने मुकदमा दर्ज किया गया है। आजम खां के अलावा चार अन्य भी आरोपी बनाए गए हैं। शासन ने तीन मई 2024 को मामले की जांच के आदेश दिए थे। जांच में सामने आया कि आमिश डेवलपर्स को फायदा पहुंचाने के लिए जमीन बेचने में नियमों का पालन नहीं किया गया। सपा नेता आजम खां की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। अब उन पर राज्य हज समिति की जमीन बेचने में गड़बड़ी के आरोप में विजिलेंस ने एफआईआर दर्ज की है। आजम उस समय राज्य हज समिति के अध्यक्ष थे। मामले में तत्कालीन सचिवों लईक अहमद व डॉ. एमएए खान, आमिश डेवलपर्स के प्रोपराइटर मो. अयूब और मुस्तकीम अहमद को भी आरोपी बनाया गया है। विजिलेंस जांच में जमीन की बिक्री से समिति को 2.08 करोड़ रुपये के राजस्व के नुकसान की पुष्टि हुई है।

विजिलेंस के लखनऊ सेक्टर में इंस्पेक्टर ध्रुव चंद्र मौर्य की तहरीर पर दर्ज एफआईआर के मुताबिक राजधानी के ऐशबाग क्षेत्र के कायमखेड़ा (दुगांवा) में खसरा संख्या-117 में हज समिति की करीब 60 हजार वर्गफीट जमीन थी।

विजिलेंस के लखनऊ सेक्टर में दर्ज हुई एफआईआर, 4 अन्य भी आरोपी

विजिलेंस को शिकायत मिली थी कि जमीन की बिक्री में आजम व अन्य आरोपियों ने निजी फर्म को फायदा पहुंचाने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया और जमीन बिक्री में नियमों को नजर अंदाज किया गया। जांच के बाद विजिलेंस ने धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत केस दर्ज कर विवेचना इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह को सौंपी है। शासन ने तीन मई 2024 को मामले की जांच के आदेश दिए थे। जांच में सामने आया कि आमिश डेवलपर्स को फायदा पहुंचाने के लिए जमीन बेचने में नियमों का पालन नहीं किया गया।

जौहर ट्रस्ट को चंदा देने वाले रामपुर के बिल्डर खालिद से होगी पूछताछ

पूर्व मंत्री आजम खां के करीबी माने जाने वाले बिल्डर एवं ठेकेदार सैयद खालिद से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पूछताछ करने जा रहा है। ईडी उनको समन भेजकर राजधानी स्थित जोनल कार्यालय में तलब करेगा। वह जौहर एसोसिएट फर्म से जुड़े बताए जाते हैं और दिल्ली समेत कई शहरों में रिहायशी प्रोजेक्ट के निर्माण का कार्य करते हैं।

इसके अलावा आधा दर्जन से अधिक बिल्डर भी रडार पर आ चुके हैं। ईडी ने बीते माह जौहर ट्रस्ट के ठिकानों पर छापे मारे थे, जिसमें कई बिल्डरों और ठेकेदारों द्वारा चंदा देने के सुराग हाथ लगे थे। रामपुर और दिल्ली के यह लोग आजम के करीबियों में माने जाते थे। जांच में पता चला कि बजट की रकम का बड़ा हिस्सा ट्रस्ट को बतौर चंदा दिया गया। ईडी ने जांच में पता लगाया कि दिल्ली, लखनऊ, नोएडा, रामपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर, सहारनपुर, मेरठ, बरेली के कई ठेकेदारों, कारोबारियों, शैक्षणिक संस्थानों ने जौहर ट्रस्ट को चंदा दिया था।

धमाकों से दहले सऊदी और ईरान: पश्चिम एशिया में फिर बढ़ा रहा तनाव, डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कब खत्म होगा युद्ध?

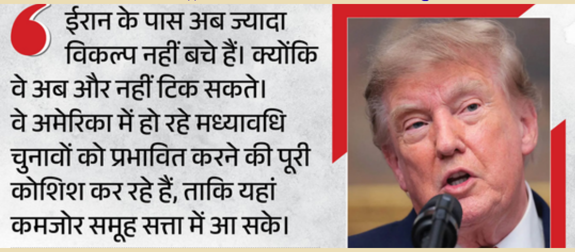

ईरान के केशम, सिरिक और मिनाब समेत तटीय इलाकों में बुधवार को कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं, जबकि ईरानी मीडिया ने सऊदी अरब के किंग फहद एयर बेस और ताइफ में भी धमाकों की खबर दी है। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त हुआ है जब डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के बाद ईरान के साथ युद्ध तुरंत खत्म हो सकता है। ईरान के सरकारी प्रसारक 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग' के अनुसार, सिरिक और मिनाब काउंटी के तटीय इलाकों में बुधवार को लगातार कई धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इन घटनाओं को लेकर होर्मोजगान प्रशासन ने बताया कि केशम में सुनी गई आवाजों का स्रोत समुद्र में पाया गया है। वहीं, आईआरआईबी ने अरब मीडिया के हवाले से बताया कि सऊदी अरब के किंग फहद एयर बेस पर भी कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इसके अलावा, ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने खबर दी कि सऊदी शहर ताइफ में भी धमाकों की आवाजें सुनी गईं। सऊदी मीडिया के हवाले से आईआरएनए ने कहा कि इलाके में कम से कम दो जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को दावा किया कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद 'तुरंत' खत्म हो जाएगा। ट्रंप ने तेहरान पर आरोप लगाया कि वह इस उम्मीद में संघर्ष को खींच रहा है कि वाशिंगटन में सत्ता परिवर्तन हो और उसे परमाणु हथियार हासिल करने का मौका मिल सके।

कब खत्म होगा युद्ध?

टेक्सास के डलास में रिपब्लिकन मध्यावधि सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। ईरान के पास अब ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं। क्योंकि वे अब और नहीं टिक सकते। वे चुनाव को प्रभावित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, ताकि वहां लोगों का एक अच्छा, कमजोर समूह सत्ता में आ सके और हम उन्हें अकेला छोड़ दें और उन्हें अपना परमाणु हथियार हासिल करने दें। वे बस परमाणु हथियार चाहते हैं और अगर उनके पास परमाणु हथियार आ गया, तो पूरी दुनिया बड़ी मुसीबत में पड़ जाएगी।

बातचीत को लेकर ट्रंप ने दिया संकेत

जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्हें उम्मीद है कि ईरान के साथ राजनयिक बातचीत फिर से शुरू होगी या सैन्य अभियान दोबारा शुरू किया जाएगा, तो उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन फिलहाल बातचीत को लेकर जल्दबाज़ी में नहीं है। हालिया सैन्य अभियानों ने ईरानी सरकार को बुरी तरह कमजोर कर दिया है। किसी भी अंतिम कूटनीतिक समाधान का दायरा पारंपरिक परमाणु समझौतों तक सीमित नहीं होगा, बल्कि इसमें उससे कहीं अधिक व्यापक मुद्दे शामिल होंगे।

हूतियों को ईरान का प्रॉक्सी बताने पर बघाई का पलटवार

दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने गुरुवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि यमन के हूती विद्रोही तेहरान के प्रॉक्सी यानी प्रतिनिधि के तौर पर काम करते हैं। बघाई ने कहा कि हूती समूह स्वतंत्र रूप से काम करता है और किसी से आदेश नहीं लेता। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने अमेरिका पर अपनी सैन्य मौजूदगी और वर्चस्ववादी नीतियों के जरिए क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि यमन में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए बाहरी दखलंदाजी को खत्म करना जरूरी है। बघाई ने कहा,'मार्को रुबियो के झूठ तथ्यों की जगह नहीं ले सकते। अंसारुल्लाह यमन का एक स्वतंत्र गुट है, जो अपने फैसले खुद लेता है। वह किसी से आदेश नहीं लेता और किसी का प्रॉक्सी बनकर काम नहीं करता।'

अमेरिका से सैन्य दखल खत्म करने की मांग

मध्य पूर्व में अमेरिकी नीति की आलोचना करते हुए बघाई ने वाशिंगटन से आग्रह किया कि अगर वह क्षेत्र में वास्तविक स्थिरता चाहता है, तो उसे अपनी सैन्य भागीदारी वापस लेनी चाहिए। क्षेत्र में अस्थिरता की जड़ें अमेरिकी सैन्य दखलंदाज़ी और वर्चस्ववादी नीतियों में हैं। अगर वाशिंगटन सचमुच शांति चाहता है, तो उसे एक आसान कदम उठाना होगा। हमारे क्षेत्र में अपनी नुकसानदेह और अस्थिरता पैदा करने वाली दखलंदाज़ी को खत्म करना होगा।

'कॉकरोच बन जाऊं, शायद जिंदगी बेहतर हो': विजय माल्या का बयान; भगोड़ा कहे जाने पर अब क्या बोले?

विजय माल्या ने एक बार फिर अपने खिलाफ चल रही कार्रवाई को अन्याय बताते हुए ईडी की कथित ₹14,131.60 करोड़ की रिकवरी का मुद्दा उठाया है। उनका दावा है कि यह रकम बैंकों को वापस दी जा चुकी है, फिर भी उन्हें भगोड़ा और धोखाधड़ी करने वाला कहा जाता है। माल्या का यह भी कहना है कि ब्रिटेन में चल रही कानूनी प्रक्रिया के कारण वह भारत नहीं लौट सकते। भगोड़े आर्थिक अपराधी घोषित किए जा चुके कारोबारी विजय माल्या ने एक बार फिर भारत सरकार पर अपने साथ अन्याय करने का आरोप लगाया है। लंदन में रह रहे माल्या ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया पर लगातार कई पोस्ट किए। उन्होंने कहा कि उन्हें अब भी अन्याय का सामना करना पड़ रहा है। इसी दौरान उन्होंने लिखा, 'जितने अन्याय मैंने झेले हैं और अब भी झेल रहा हूं, उसे देखते हुए सोचता हूं कि क्या मुझे कॉकरोच बन जाना चाहिए। शायद कॉकरोच की तरफ जिंदगी बेहतर हो।'

₹14,000 करोड़ की रिकवरी को लेकर माल्या का क्या दावा?

विजय माल्या ने प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की ओर से बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल एक हलफनामे का हवाला दिया। उनका दावा है कि ईडी ने इसमें स्वीकार किया था कि उनसे करीब ₹14,000 करोड़ से ज्यादा की रकम बरामद की गई और 2021 में यह रकम उन बैंकों को दी गई, जिनका पैसा उनके ऊपर बकाया था। विजय माल्या ने कहा कि अगर लोगों को उनकी बात पर भरोसा नहीं है तो वे उनके बयान के बजाय ईडी के अदालत में दिए हलफनामे को देखें। उन्होंने लिखा कि हलफनामे में 2021 में बैंकों को ₹14,000 करोड़ से ज्यादा दिए जाने की बात कही गई है।

भारत लौटने को लेकर माल्या ने क्या सफाई दी?

इससे पहले विजय माल्या ने कहा था कि वह भारत आने से इनकार करने वाले 'भगोड़े' नहीं हैं। उनका दावा है कि वह 1992 से ब्रिटेन के स्थायी निवासी हैं और फिलहाल कानूनी तौर पर ब्रिटेन छोड़ने से रोके गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से उनके खिलाफ की गई कार्रवाई के बाद यह पूरा मामला शुरू हुआ। विजय माल्या ने यह भी कहा कि बैंक को पैसा वापस किया जाना उनकी भारत में शारीरिक मौजूदगी पर निर्भर नहीं है।

माल्या ने 'भगोड़ा' कहे जाने पर क्या सवाल उठाया?

विजय माल्या ने अपनी पोस्ट में एक कथित अकाउंट स्टेटमेंट की तालिका भी साझा की और खुद को गलत तरीके से भगोड़ा बताए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या उन्हें अब भी उसी तरह पेश किया जाना चाहिए, जबकि उनके मुताबिक बैंकों का पैसा वापस किया जा चुका है। उन्होंने मीडिया कवरेज पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि किसी पत्रकार की खबर की शुरुआत में ही उन्हें 'धोखाधड़ी करने वाला' या 'फ्रॉडस्टर' बताने के बजाय यह पूछा जाना चाहिए कि उन्हें अपना पैसा वापस कब मिलेगा।

अदालत और सरकार का अब तक क्या रुख रहा?

अक्टूबर 2025 में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया था कि भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत कुल 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है। इनमें विजय माल्या और नीरव मोदी समेत कई चर्चित नाम शामिल हैं। वहीं, फरवरी 2026 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने माल्या को फटकार लगाते हुए कहा था कि वह जानबूझकर अदालत की कार्यवाही से बचते हुए समानता के आधार पर राहत की मांग नहीं कर सकते। शीर्ष अदालत ने उन्हें यह स्पष्ट करने का अंतिम मौका दिया था कि क्या वह भारत लौटने का इरादा रखते हैं। माल्या की याचिका भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम और उन्हें भगोड़ा घोषित किए जाने को चुनौती देती है।

एक्सप्लेनर: सऊदी को हूतियों के हमले से बचाने क्यों नहीं आए पाकिस्तान-तुर्किये, क्या नाकाम हो गया मक्का समझौता?

सऊदी अरब पर यमन के हूती हमलों के बीच 'मक्का समझौता' सवालों के घेरे में है। जानिए तुर्किये और परमाणु शक्ति संपन्न पाकिस्तान क्यों सऊदी की सैन्य मदद के लिए आगे नहीं आ रहे हैं।

यमन के विद्रोही- हूती संगठन की तरफ से सऊदी अरब पर लगातार हमले बोले जा रहे हैं। आलम यह है कि बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन्स के भीषण हमलों से सऊदी अरब के कई अहम ऊर्जा ढांचों, हवाई अड्डों और यानबू शहर के बंदरगाह के करीब लाल सागर (रेड सी) में वाणिज्यिक तेल टैंकरों को भारी नुकसान पहुंचा है। सऊदी अरब की तरफ से भी इन हमलों का जवाब देने की भरपूर कोशिश की जा रही है। हालांकि, हूतियों की ताकत के आगे फिलहाल सऊदी की रणनीति काम करती नहीं दिख रही।

इस बीच पूरी दुनिया में एक ही सवाल गूंज रहा है। वह यह कि एक महीने पहले सऊदी अरब के नेतृत्व में तीन इस्लामिक देशों के बीच एक-दूसरे के बचाव के लिए जो मक्का समझौता हुआ था, उसका क्या हुआ? क्यों इस समझौते के तहत सऊदी के साथ गठबंधन बनाने वाले पाकिस्तान और तुर्किये अब उसकी मदद के लिए आगे नहीं आ रहे हैं? एक परमाणु शक्ति होने के बावजूद पाकिस्तान क्यों सिर्फ धमकियों तक ही सीमित रह गया? उसके किस नेता ने क्या कहा है? आइये जानते हैं..

हूतियों ने सऊदी अरब पर इन हमलों को उत्तर-पश्चिमी यमन में सऊदी हवाई हमलों के जवाब में की गई कार्रवाई बताया है।

सऊदी अरब पर हुए इन हमलों और लाल सागर में नौवहन बाधित होने का असर यह हुआ कि दुनियाभर में कच्चे तेल की आपूर्ति पर डर बैठ गया और यह $100 के पार चला गया।

अगर सऊदी पर हमले में भारी तबाही तो मक्का समझौते के साथी कहां?

गौरतलब है कि सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच बीते महीने मक्का समझौता हुआ था। जब इस डील पर हस्ताक्षर हुए थे, तब दावा किया गया था कि यह पश्चिमी देशों के संगठन- नाटो (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) की तरह ही होगा। यानी मक्का समझौते में शामिल किसी एक देश पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा और वे एक-दूसरे के बचाव के लिए आगे आएंगे।

हालांकि, इस समझौते के सामने पहला परीक्षण एक महीने में ही सामने आ गया। इसके बावजूद न तो पाकिस्तान और न ही तुर्किये की तरफ से सऊदी को कुछ सैन्य मदद भेजी गई है।

पाकिस्तान क्यों नहीं कर रहा सऊदी की मदद, क्या मजबूरी?

1. संसद में बना कानून है मजबूरी

पाकिस्तान के मक्का समझौते के बावजूद सऊदी की मदद न कर पाने की एक बड़ी वजह उसके कुछ पुराने कानून हैं, जिनमें अब तक बदलाव नहीं कराया जा सका है।

2015 में पाकिस्तान की संसद- मजलिस-ए-शूरा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर यमन संघर्ष में पूरी तरह तटस्थ रहने का आदेश दिया था।

यानी पाकिस्तान तब तक यमन के हूतियों को निशाना नहीं बना सकता, जब तक संसद कानून को न पलट दे या सरकार खुद संसदीय जनादेश का उल्लंघन कर दे।

पाकिस्तान की कूटनीति के तहत भी उसकी सेना युद्ध में तब तक नहीं उतर सकती, जब तक सऊदी पर कोई बड़ा पारंपरिक हमला न हो जाए।

इसके अलावा मुस्लिमों के पावन धार्मिक स्थल मक्का और मदीना पर कोई अस्तित्व से जुड़ा खतरा होने पर भी पाकिस्तानी सेना संघर्ष में कूद सकती है।

2. ईरान से रिश्ते भी आ रहे सऊदी की मदद के आड़े

यमन के हूती विद्रोही असल में शिया समुदाय से आते हैं, जो कि देश में सऊदी अरब की ओर से स्थापित की गई सुन्नी सरकार के खिलाफ जंग छेड़ रहे है। चूंकि ईरान एक शिया बहुल देश है, ऐसे में यमन की सुन्नी सरकार के खिलाफ वह हूती विद्रोहियों को कूटनीतिक और आर्थिक मदद मुहैया कराता रहा है।

पाकिस्तान की ईरान के साथ करीब 900 किलोमीटर लंबी संवेदनशील सीमा है। ऐसे में ईरान-समर्थित हूतियों के खिलाफ सीधी सैन्य कार्रवाई से तेहरान के साथ संबंध बिगड़ने और पश्चिमी सीमा पर नया तनाव पैदा होने का जोखिम है।

इतना ही नहीं पाकिस्तान में भले ही सुन्नी समुदाय का आबादी में वर्चस्व है, लेकिन यहां जनसंख्या में शियाओं की हिस्सेदारी भी करीब 15 से 20 फीसदी है। ऐसे में हूती विद्रोहियों पर कार्रवाई देश में ही मौजूद शिया समुदाय को नाराज कर सकती है और पाकिस्तान में अंदरूनी तनाव और सांप्रदायिक हिंसा बढ़ने का खतरा पैदा हो सकता है।

3. पाकिस्तान के घरेलू हालात भी खराब

पाकिस्तान की सेना पहले से ही अपनी पूर्वी सीमा पर भारत के खिलाफ साजिश रचने, पश्चिमी सीमा पर अफगानिस्तान का सामना करने और घरेलू आतंकवाद से निपटने की कोशिश कर रहा है। साथ ही उसकी अर्थव्यवस्था भी लगातार संकट में बनी हुई है, जिससे उसकी युद्ध लड़ने की क्षमताएं सीमित हैं।

तुर्किये के सऊदी अरब से दूरी बनाने की क्या वजहें?

तुर्किये के एक अधिकारी के मुताबिक, मक्का समझौता साफ तौर पर रक्षात्मक प्रकृति का है। यह तुर्किये के अन्य देशों के साथ पहले से मौजूद समझौतों या अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों को कम नहीं करता।

- समझौते में एक सदस्य पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा, जैसी भाषा का इस्तेमाल जरूर हुआ है, लेकिन इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किसी सदस्य पर हमला होने पर अन्य सदस्यों को किस प्रकार की सैन्य कार्रवाई करनी होगी। यानी बतोलेबाजी से इतर मक्का समझौता नाटो के आर्टिकल 5 की तरह स्वतः युद्ध में शामिल होने की बाध्यता नहीं बनाता।
- तुर्किये और पाकिस्तान दोनों का प्राथमिक आर्थिक व सुरक्षा हित इस बात में निहित है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अधिक न फैले। सीधे सैन्य हस्तक्षेप से पूरे क्षेत्र में व्यापक युद्ध भड़कने का जोखिम है।
- इस समझौते का मुख्य मकसद तीनों देशों- सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये की संयुक्त सैन्य क्षमता का प्रदर्शन कर एक कूटनीतिक और रणनीतिक रोकथाम का तंत्र बनाना है, न कि हर हमले के जवाब में सीधे मोर्चे पर युद्ध लड़ना।

पाकिस्तान ने सऊदी की मदद न कर पाने में क्या मजबूरी बताई?

1. प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

दूसरी तरफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सऊदी अरब पर हूती मिसाइल और ड्रोन हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इन्हें कायरतापूर्ण बताया और कहा कि ये हमले आम नागरिकों के जीवन तथा क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा के लिए खतरा हैं। उन्होंने सऊदी अरब की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति पाकिस्तान के दृढ़ समर्थन और एकजुटता को दोहराया।

2. रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी को दिए एक साक्षात्कार के दौरान समझौते की शर्तों और पाकिस्तान की नीति को स्पष्ट किया। उन्होंने भरोसा देते हुए कहा कि यह एक संयुक्त रक्षा समझौता है। पाकिस्तान इस समझौते की शर्तों से बंधा हुआ है और जरूरत पड़ने पर सऊदी अरब के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को निभाएगा। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई आक्रामक समझौता नहीं है जिसके तहत तीनों देश अपनी पहल पर किसी तीसरे देश पर हमला कर दें। अगर किसी एक सदस्य देश के खिलाफ आक्रामकता होती है, तो तीनों सदस्य देश मिलकर उसका जवाब देंगे।

इतना ही नहीं उन्होंने हूतियों को चेतावनी दी कि वे यमन संघर्ष को सऊदी अरब की सीमा में न बढ़ाएं। अगर वे ऐसा करते हैं, तो आक्रामकता से निपटने वाले समझौते के प्रावधान लागू हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें ईंट का जवाब पत्थर से देने की जरूरत नहीं है

पंजाब के पूर्व मंत्री चुन्नी लाल भगत का निधन:

पाकिस्तान से आकर जालंधर में लहराया था राजनीतिक परचम

चुन्नी लाल भगत के निधन के साथ जालंधर की राजनीति में एक लंबे दौर का अंत हुआ है। पाकिस्तान से विस्थापन के बाद जालंधर को अपनी कर्मभूमि बनाकर कारोबार से सार्वजनिक जीवन और फिर विधानसभा तथा पंजाब सरकार तक पहुंचने वाली उनकी यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए राजनीतिक संघर्ष और मेहनत की कहानी बनी रहेगी। पंजाब के वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री चुन्नी लाल भगत का निधन हो गया। उनके निधन की खबर से जालंधर की राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।चुन्नी लाल भगत का जीवन संघर्ष, कारोबार, समाजसेवा और राजनीति के लंबे सफर की कहानी रहा। पाकिस्तान से भारत आने के बाद उन्होंने जालंधर को अपनी कर्मभूमि बनाया और यहां से कारोबार खड़ा करने के साथ-साथ राजनीति में भी ऐसा मुकाम हासिल किया कि प्रदेश की सत्ता में कैबिनेट मंत्री की जिम्मेदारी तक पहुंचे।बादल सरकार में बने मंत्री

वर्ष 2012 में प्रकाश सिंह बादल के नेतृत्व में अकाली-भाजपा गठबंधन की सरकार बनी तो चुन्नी लाल भगत को कैबिनेट मंत्री बनाया गया। सरकार में उन्हें महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी मिली। उन्होंने स्थानीय निकाय तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान जैसे विभाग संभाले। बाद में उनके पास वन एवं वन्यजीव संरक्षण तथा श्रम जैसे विभागों की जिम्मेदारी भी रही।

चुन्नी लाल भगत का जन्म सियालकोट में हुआ था। देश के विभाजन के बाद उन्हें पाकिस्तान से भारत आना पड़ा। विस्थापन के उस दौर में नई जिंदगी शुरू करना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने जालंधर में मेहनत के साथ अपना कारोबार खड़ा किया। समय के साथ खेल सामान के कारोबार में उन्होंने अपनी पहचान बनाई और शीला स्पोर्ट्स के नाम से कारोबार को स्थापित किया। कारोबारी जीवन के दौरान जालंधर के सामाजिक और व्यावसायिक वर्ग में उनका संपर्क बढ़ता गया और यही जनसंपर्क आगे चलकर उनकी राजनीतिक यात्रा की मजबूत नींव बना।चुन्नी लाल भगत के राजनीति में आने के बाद इसे केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने जालंधर में संगठन को मजबूत करने और लोगों के बीच अपनी पकड़ बनाने पर जोर दिया। वर्ष 1985 में उन्होंने पहली बार चुनावी राजनीति में कदम रखा और जालंधर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा। उस चुनाव में उन्हें सफलता नहीं मिली, लेकिन उन्होंने राजनीतिक मैदान नहीं छोड़ा।

2012 में जालंधर पश्चिम से जीते

विधानसभा परिसीमन के बाद जालंधर दक्षिण सीट के स्वरूप में बदलाव हुआ। वर्ष 2012 में चुन्नी लाल भगत ने जालंधर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा और यहां से भी जीत दर्ज की। लगातार चुनावी सफलताओं ने उन्हें जालंधर ही नहीं, बल्कि पंजाब भाजपा के प्रमुख नेताओं की कतार में ला खड़ा किया।उनके राजनीतिक कद का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2011 में उन्हें पंजाब विधानसभा का उपाध्यक्ष चुना गया। इसके बाद वर्ष 2012 में भाजपा विधायक दल के नेता की जिम्मेदारी भी उन्हें मिली। यह उनके लिए पार्टी और विधानसभा के भीतर बढ़ते राजनीतिक प्रभाव का संकेत था।कारोबार को स्थापित करना और फिर सार्वजनिक जीवन में अपनी जगह बनाना उनके जीवन की बड़ी उपलब्धियों में शामिल रहा। उन्होंने कारोबार से सामाजिक संपर्क और सामाजिक संपर्क से राजनीति तक का सफर तय किया।

एक्सप्लेनर: दुनियाभर में मोबाइल फोन 15 फीसदी महंगे हुए, आखिर क्यों बढ़ते जा रहे दाम?

त्योहारी सीजन से ठीक पहले नया स्मार्टफोन खरीदने की तैयारी कर रहे उपभोक्ताओं के लिए यह खबर जेब पर भारी पड़ने वाली है। काउंटरपॉइंट रिसर्च की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, साल 2026 में भारत में स्मार्टफोन की औसत खुदरा कीमतें 21 फीसदी बढ़ चुकी हैं।यह दुनिया के तमाम बड़े बाजारों में दर्ज सबसे तेज उछाल है।वैश्विक स्तर पर औसत कीमतों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। विकसित देशों में यह असर बेहद सीमित रहा, अमेरिका में कीमतें केवल 5 फीसदी, यूरोप में 7 फीसदी और चीन में 10 फीसदी बढ़ीं। इसके विपरीत, एशिया-प्रशांत में 19 फीसदी और भारत में 21 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

15,000 रुपये से कम वाले फोन के कुल पार्ट्स की लागत में अकेले मेमोरी की हिस्सेदारी 45 फीसदी से ऊपर निकल चुकी है। स्मार्टफोन की बिक्री में 45% की गिरावट आई है।

बजट फोन पर लागत बढ़ने का सीधा असर बिक्री पर पड़ा है। जून तिमाही में 15,000 रुपये से कम कीमत वाले स्मार्टफोन की बिक्री में 45 फीसदी की भारी गिरावट आई है।

कंपनियों ने कीमतें थामने के लिए कई फोनों के मेमोरी कॉन्फ़िगरेशन तक घटा दिए हैं। इसके अलावा, 2026 में लॉन्च हुए नए मॉडल्स पिछले साल के मुकाबले 25 फीसदी तक महंगे हो चुके हैं।

भारत पर सबसे ज्यादा असर क्यों?

भारतीय बाजार का 51 फीसदी से अधिक हिस्सा 20,000 रुपये से कम कीमत वाले लो और मिड-रेंज फोनों का है। पश्चिमी देशों में प्रीमियम फोन अधिक बिकते हैं, जहां टेलीकॉम ऑपरेटरों के लॉन्ग-टर्म प्लान में फोन बंडल होते हैं और बढ़ी हुई लागत ईएमआई में बंट जाती है। प्रीमियम फोन पर कंपनियों के पास मार्जिन होता है, जिससे वे अतिरिक्त लागत खुद वहन कर लेती हैं। लेकिन बजट फोन में मार्जिन न के बराबर होता है, इसलिए कंपनियों ने उत्पादन लागत का पूरा बोझ सीधे भारतीय ग्राहकों की जेब पर डाल दिया।

कीमतें बढ़ने की असली वजह

इस मूल्य वृद्धि के पीछे मुख्य कारण स्मार्टफोन में लगने वाली मेमोरी की बढ़ती लागत है। सितंबर 2025 के बाद से डीआरएएम और एनएएनडी चिप की कीमतें लगभग चार गुना बढ़ चुकी हैं। दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंफ्रास्ट्रक्चर की भारी मांग के कारण सेमीकंडक्टर निर्माता अपनी उत्पादन क्षमता एआई सर्वरों में लगने वाली हाई-बैंडविड्थ मेमोरी में लगा रहे हैं। इससे स्मार्टफोन में लगने वाली पारंपरिक मेमोरी की आपूर्ति घट गई। काउंटरपॉइंट रिसर्च के भारतीय उपभोक्ता सर्वे के अनुसार, 46 फीसदी खरीदार बजट बढ़ाकर फोन ले रहे हैं, जबकि 25 फीसदी ने खरीदारी टाल दी है और 29 फीसदी लोग रीफर्बिश्ड फोन की तरफ मुड़ रहे हैं।

बदलाव की आहट: निजी क्षेत्र में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी, 30% महिला निदेशक; सरकारी उपक्रमों से कितना आगे?

कॉरपोरेट क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है और निजी क्षेत्र की कंपनियों में महिला निदेशकों की हिस्सेदारी 30% पहुंच गई है। हालांकि, सीईओ और वरिष्ठ पदों तक पहुंचने में महिलाओं के सामने अब भी कई सामाजिक चुनौतियां हैं। क्या बोर्डरूम में बढ़ती मौजूदगी अब शीर्ष नेतृत्व में भी बदलेगी? पढ़िए रिपोर्टकॉरपोरेट क्षेत्र में अहम पदों पर महिलाओं की भागीदारी लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। निजी हो या सरकारी कंपनी- यहां के निदेशकों में महिलाएं 29 फीसदी हैं। इनमें सरकारी कंपनियों में यह आंकड़ा 21% और निजी कंपनियों में 30 % है। यही नहीं एक व्यक्ति वाली कंपनियों में भी महिलाओं की हिस्सेदारी 28 % है। इससे स्पष्ट है कि महिला प्रतिनिधित्व के मामले में निजी कंपनियां आगे हैं। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की नवीनतम रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है।कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत कुछ श्रेणियों की कंपनियों के बोर्ड में एक महिला निदेशक का होना अनिवार्य किया गया है, जिसने महिलाओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा, उच्च शिक्षा और पेशेवर अनुभव ने भी नेतृत्व के लिए महिलाओं का दायरा बढ़ाया है। हालांकि, सामाजिक स्तर पर कई बाधाएं बनी हुई हैं।

पुरुषों से बेहतर

सांख्यिकी मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय महिलाएं पुरुषों की तुलना में घरेलू काम और देखभाल संबंधी गतिविधियों पर काफी ज्यादा समय देती हैं। इसका सीधा असर उनके कॅरिअर की निरंतरता और वरिष्ठ पदों तक पहुंचने की संभावना पर पड़ सकता है।

राह की चुनौती

बोर्ड स्तर पर बदलाव के बावजूद वरिष्ठ प्रबंधन, सीईओ और शीर्ष पदों पर महिलाओं की पहुंच अभी सीमित है। घरेलू जिम्मेदारियां, कार्यस्थल का सुरक्षित माहौल, मातृत्व के बाद वापसी और पुरुष-प्रधान पेशेवर नेटवर्क जैसी सामाजिक बाधाएं अब भी उनके कॅरिअर की राह में बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 62,986 कंपनियां पंजीकृत हुईं जबकि 8,233 कंपनियां बंद हुईं। पिछली चार तिमाहियों में क्रमशः पंजीकृत कंपनियों की संख्या 69,772, 56,008, 60,836 और 61,139 रही। इसी अवधि में बंद कंपनियों की संख्या क्रमशः 4,347, 3,627, 4,980 और 9,138 रही। नए पंजीकरण में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी करीब 72%, उद्योग की 25% और कृषि की 3% रही।इसमें बिजनेस सर्विसेज, वित्तीय सेवाएं और रियल एस्टेट प्रमुख हैं। 30 जून तक देश में कुल 31,63,190 पंजीकृत कंपनियां हैं।

युद्ध का फायदा उठा रहा अमेरिका: भारत का एलपीजी आयात छह माह में 281% बढ़ा; क्या खाड़ी देशों की पकड़ कमजोर हुई?

होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्ध के बीच भारत के एलपीजी आयात का पूरा नक्शा बदल गया है। खाड़ी देशों से गैस की आवक घटी, जबकि अमेरिका से आयात 281% बढ़ गया। आखिर ऐसा क्या हुआ कि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा एलपीजी आपूर्तिकर्ता बन गया? पढ़िए रिपोर्टपश्चिम एशिया में युद्ध और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने का असर अब भारत के रसोई गैस बाजार पर साफ दिखाई दे रहा है। पिछले छह महीनों में भारत के एलपीजी आयात का नक्शा ही बदल गया है। जो अमेरिका कुछ महीने पहले भारत की एलपीजी जरूरत का छोटा हिस्सा पूरा करता था, वह अब सबसे बड़ा करीब तीन गुना बढ़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। मार्च से अगस्त 2026 के बीच भारत के कुल एलपीजी आयात में अमेरिका की हिस्सेदारी बढ़कर 53 फीसदी हो गई। सितंबर 2025 से फरवरी 2026 के दौरान यह सिर्फ 7.9 फीसदी थी। 'यानी छह महीने में अमेरिकी हिस्सेदारी करीब सात गुना हो गई।खाड़ी देशों की पकड़ कमजोर हुई

युद्ध से पहले भारत के एलपीजी आयात में यूएई सबसे बड़ा स्रोत था । सितंबर-फरवरी में उसकी हिस्सेदारी 37.8 फीसदी थी,

असली वजह है होर्मुज: भारत की एलपीजी जरूरत का ई करीब 60 फीसदी हिस्सा आयात से पूरा होता है। सामान्य स्थिति में भारत के करीब 90 फीसदी एलपीजी आयात पश्चिम एशिया से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते आते हैं। युद्ध के कारण इस अहम समुद्री मार्ग पर जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई और भारत को वैकल्पिक स्रोत तलाशने पड़े।

अमेरिका से आयात करीब तीन गुना बढ़ा

केप्लर के शिपिंग आंकड़ों के मुताबिक, मार्च-अगस्त में भारत ने कुल 71.4 लाख टन एलपीजी आयात की। यह पिछले छह महीनों के मुकाबले 43.1 फीसदी कम है। इसके उलट अमेरिका से आयात 281.1 फीसदी बढ़कर 37.8 लाख टन पहुंच गया। यानी कुल आयात घटने के बावजूद अमेरिका से आने वाली गैस तेजी से बढ़ी। जो मार्च-अगस्त में घटकर 13.4 फीसदी रह गई। कतर की हिस्सेदारी 21.1 से घटकर 5.7. फीसदी और कुवैत की 15.1 से 4.9 फीसदी हो गई। सऊदी अरब की हिस्सेदारी भी 14.1 से घटकर 5.9 फीसदी रह गई।

चांदी उछली, सोना धड़ाम: सर्राफा बाजार की कीमतों में दिखा उतार-चढ़ाव, दिल्ली में आज कीमती धातुओं के भाव क्या?

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक-सामान्य धातु सौमिल गांधी के मुताबिक, अमेरिकी महंगाई से जुड़े अहम आंकड़े इस सप्ताह जारी होने वाले हैं। ऐसे में निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना रहे हैं, जिससे सोने की कीमतें सीमित दायरे में बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने महंगाई को लेकर चिंताएं फिर बढ़ा दी हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ऊर्जा लागत में तेजी से महंगाई का दबाव और बढ़ सकता है। गांधी के अनुसार, ऊर्जा की ऊंची कीमतें महंगाई को बढ़ा सकती हैं और ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे बने रहने की उम्मीद को मजबूत कर सकती हैं। इसका असर सोने जैसे बुलियन पर भी पड़ सकता है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोने की कीमत 43.67 डॉलर यानी करीब एक प्रतिशत बढ़कर 4,399.22 डॉलर प्रति औंस हो गई। वहीं, चांदी में भी करीब एक प्रतिशत की तेजी आई और इसका भाव 66.25 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया। मिराए एसेट शेयरखान के कमोडिटीज प्रमुख प्रवीण सिंह ने बताया कि हालिया गिरावट के बाद हाजिर सोने में सुधार देखने को मिला है।

दिल्ली में सोने की कीमत लगातार तीसरे दिन 100 रुपये गिरकर 1,58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। वहीं चांदी 2,300 रुपये उछलकर 2,43,400 रुपये प्रति किलो पहुंच गई।घरेलू बाजार में मांग कमजोर रहने के कारण राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को सोने की कीमतों में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र गिरावट दर्ज की गई। सोना 100 रुपये फिसलकर 1,58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,58,100 रुपये प्रति 10 ग्राम था।वहीं, चांदी ने सोने के उलट तेजी का रुख बनाए रखा। लगातार दूसरे सत्र में चांदी के दाम बढ़े और यह 2,300 रुपये उछलकर 2,43,400 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इस कीमत में सभी कर शामिल हैं। मंगलवार को चांदी 2,41,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। यह जानकारी ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन की ओर से दी गई।

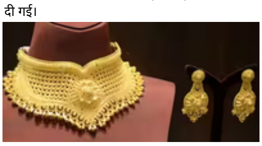

द बोनस मार्केट अपडेट: भारतीय शेयर बाजार सपाट खुला, कच्चे तेल के 100 डॉलर के पार जाने से किन सेक्टर पर दबाव?

गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार करीब सपाट खुला। सेंसेक्स और निफ्टी मामूली गिरावट में रहे, जबकि ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स शेयरों पर दबाव दिखा। वैश्विक बाजारों की कमजोरी का भी असर रहा। निफ्टी के 23,500 से नीचे रहने, कच्चे तेल के 101 डॉलर पार जाने और बॉन्ड यील्ड बढ़ने से बाजार में चिंता बढ़ी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में करीब सपाट खुला। सुबह 9:23 पर सेंसेक्स 36 अंक या 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,727.96 और निफ्टी 8.25 अंक या 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,430.00 पर था। शुरुआती कारोबार में बाजार में दबाव ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स स्टॉक्स पर देखा जा रहा है। सूचकांकों में निफ्टी ऑटो और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स टॉप लूजर्स थे। इसके बाद निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी फार्मा, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी इन्फ्रा और निफ्टी मेटल लाल निशान में थे। दूसरी तरफ निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी पीएसई, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी एनर्जी हरे निशान में थे। मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 114 अंक या 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 62,479 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 18 अंक की मामूली तेजी के साथ 20,055 पर था। दूसरी तरफ निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी पीएसई, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी एनर्जी हरे निशान में थे।

जानकारों ने कहा कि निफ्टी के 23,500 के रेजिस्टेंस लेवल से नीचे आने के कारण मार्केट की स्थिति कमजोर हो गई है। तकनीकी रूप से मार्केट में और गिरावट की आशंका है, और बुनियादी मैक्रो ट्रेंड्स भी बिगड़ते जा रहे हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमत 101 डॉलर प्रति के पार चली गई है और यूएस के 10-साल के बॉन्ड की यील्ड बढ़कर 4.83 प्रतिशत हो गई है। इससे फेड द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना बढ़ गई है, जिससे मार्केट में चिंताएं भी बढ़ रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि भले ही भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अच्छी स्थिति में है और चालू खाता घाटा भी नियंत्रण में है, लेकिन अगर कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक 100 डॉलर से ऊपर बनी रहती हैं, तो इसका असर इस साल भारत की जीडीपी ग्रोथ और कंपनियों की कमाई पर भी पड़ेगा।ज्यादातर वैश्विक बाजारों में कमजोरी के साथ कारोबार हो रहा है। टोक्यो, शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक, सोल और जकार्ता लाल निशान में थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को लाल निशान में बंद हुए थे, जिसमें डाओ जोन्स 0.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और टेक्नोलॉजी इंडेक्स नैस्डैक 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

रानी मुखर्जी: सिनेमा में योगदान के लिए अभिनेत्री को मिला सम्मान मंच पर हुईं भावुक कही यह बड़ी बात

Rani Mukherjee Got Special Contribution Award: रानी मुखर्जी को 62वें महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज कपूर विशेष योगदान पुरस्कार से सम्मानित किया। इस दौरान एक्ट्रेस भावुक हो गईं। जानिए उन्होंने स्टेज से क्या कहा?

बुधवार को मुंबई में 62वें महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान अभिनेत्री रानी मुखर्जी को राज कपूर विशेष योगदान पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जानें स्टेज पर मुख्यमंत्री के हाथों यह सम्मान पाने के बाद क्या बोलीं रानी?

क्यों सम्मानित हुईं रानी मुखर्जी?

महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार समारोह मुंबई के रवींद्र नाट्य मंदिर में आयोजित हुआ था। इस दौरान समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी उपस्थित थे। उन्होंने रानी मुखर्जी को उनके सिनेमा में वर्षों के योगदान के लिए सम्मानित किया।

मंच पर भावुक होकर क्या बोलीं रानी मुखर्जी?

इस सम्मान को पाकर रानी मंच पर भावुक दिखाई दीं। उन्होंने कहा, 'क्योंकि मुझे यह सम्मान अपने ही लोगों और अपनी जन्मभूमि से मिल रहा है, मुझे लगता है कि यही बात इस पल को मेरे लिए सचमुच खास बनाती है। भारतीय सिनेमा के दिग्गज राज कपूर जी के नाम पर दिए जाने वाले इस पुरस्कार को प्राप्त करना अपने आपमें बहुत ही सम्मान की बात है। मुझे पूरी उम्मीद है कि मैं इस सम्मान के अनुरूप रहूंगी।'

रानी मुखर्जी ने आगे कहा, 'मुंबई ने मुझे मेरी पहचान दी है। इसने मुझे अपने लोग दिए हैं। करियर दिया है। यह मेरा घर, मेरा सुरक्षित स्थान, मेरा सब कुछ रहा है

80's एआई फोटो ट्रेंड:

आमिर से लेकर कियारा-परिणीति तक बॉलीवुड पर भी छाया 80's ट्रेंड का खुमार

80's Chat GPT Photo Trend:: बॉलीवुड और टीवी के कई कलाकार 80s चैट जीपीटी फोटो ट्रेंड फॉलो कर रहे हैं। आमिर खान से लेकर परिणीति चोपड़ा तक ने सोशल मीडिया पर अपनी 80s ट्रेंड की तस्वीरें शेयर की हैं। डालिए एक नजर.

सोशल मीडिया पर अक्सर नए-नए ट्रेंड्स वायरल होते हैं। इसी कड़ी में इन दिनों इंस्टाग्राम और एक्स पर चैटजीपीटी 80s फोटो ट्रेंड वायरल हो रहे हैं। इस ट्रेंड के तहत लोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से अपनी आज की तस्वीरों को 1980 के दशक की विंटेज स्टाइल में बदल रहे हैं। खास बात यह है कि इस ट्रेंड में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कई कलाकार भी शामिल हो रहे हैं।

आमिर खान

आमिर खान प्रोडक्शन हाउस की तरफ से आमिर खान की एक तस्वीर शेयर की गई है। इस तस्वीर में अभिनेता परफेक्ट 80s वाले विंटेज लुक में नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर उनकी हालिया रिलीज हुई फिल्म 'सितारे जमीन पर' से जुड़ी हुई है।

इमरान खान

आमिर खान प्रोडक्शन हाउस ने इमरान खान की एआई से बनी एक तस्वीर शेयर की है। इसमें इमरान खान के अलावा कई दूसरे कलाकार नजर आ रहे हैं। यह फोटो 'जाने तू या जाने ना' से जुड़ा हुआ लग रहा है।

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा 80s वायरल ट्रेंड में शामिल हुए हैं। कियारा ने अपने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ एक विंटेज फोटो शेयर की है। जहां कियारा पिंक ड्रेस में हैं, वहीं सिद्धार्थ डेनिम ड्रेस में हैं।

नितांशी गोयल

अभिनेत्री नितांशी गोयल भी 80s ट्रेंड का हिस्सा बनी हैं। उन्होंने एआई की मदद से बनी जो तस्वीर शेयर की है, उसमें वह व्हाइट आउटफिट में नजर आ रही हैं। उनके बाल खुले हुए हैं।

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा अपने पति राघव चड्ढा के साथ अच्छे पल साझा करती हैं। ऐसे में उन्होंने 80s ट्रेंड में शामिल होते हुए शानदार तस्वीरें शेयर की हैं।

आईफोन 18 लॉन्च इवेंट:

मेहमान बनकर पहुंचे तृप्ति डिमरी और एपी ढिल्लों

Tripti Dimri And Ap Dhillon In Apple iphone Launch Event: एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी और सिंगर एपी ढिल्लों कैलिफोर्निया में एप्पल के आईफोन 18 लॉन्च इवेंट में शामिल हुए। इस दौरान फैंस और वहां मौजूद स्टाफ सेलेब्स का स्वागत करते दिखे। अभिनेत्री तृप्ति डिमरी और सिंगर एपी ढिल्लों हाल ही में अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में स्थित क्यूपर्टिनो शहर पहुंचे। यहां दोनों ने एप्पल लॉन्च इवेंट में शिरकत की। इस दौरान एप्पल के सीईओ जॉन टर्नस ने उन्हें नए आईफोन 18 प्रो मॉडल दिखाए। इस इवेंट की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

आईफोन लॉन्च इवेंट में पहुंचे सितारे

क्यूपर्टिनो शहर में आयोजित इस इवेंट में बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी और सिंगर एपी ढिल्लों को आमंत्रित किया गया था। इवेंट में आईफोन 18 प्रो मॉडल और आईफोन 18 डुओ को लॉन्च किया गया। इवेंट के दौरान कंपनी के सीईओ जॉन टर्नस को सेलेब्स के साथ बातचीत करते देखा गया। अमेरिका में भी छाए सेलेब्स

इस इवेंट के दौरान वहां मौजूद लोग इन सेलेब्स को घेर कर खड़े हुए थे। वहीं सीईओ टर्नर भी अपने भारतीय मेहमानों को एप्पल के इस नए फोन के फीचर्स दिखाने में व्यस्त लगे। इस दौरान एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने रेड कोट और डेनिम में नजर आईं। वहीं एपी ढिल्लों ग्रे जेकेट में दिखाई दिए।

तृप्ति डिमरी का वर्कफ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो तृप्ति जल्द ही संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह प्रभास के साथ रोमांस करती नजर आने वाली हैं। आखिरी बार 'ओ रोमियो' में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ शाहिद कपूर थे। वहीं ओटीटी पर उनकी फिल्म 'मां बहन' भी रिलीज हुई।

विवादित बयान: पार्टी में सारा अली खान ने दिया लड़की को धक्का? ओरी ने याद किया किस्सा बोले- 'गलती नहीं थी'

Orry On Sara Ali Khan: ओरी और सारा अली खान एक वक्त तक बहुत अच्छे दोस्त थे। मगर पिछले कुछ महीनों से दोनों के बीच विवाद जारी है। हाल ही में ओरी ने एक पुराना किस्सा याद करते हुए एक्ट्रेस पर बड़ा आरोप लगाया है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी इन दिनों अपने और सारा अली खान के बीच हुए विवादों को लेकर चर्चा में हैं। आए दिन वो किसी ना किसी इंटरव्यू में सारा का जिक्र करते हैं। हाल ही में उन्होंने सारा से जुड़ा हुआ एक और मजाकिया किस्सा सुनाते हुए अभिनेत्री पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि एक पार्टी में सारा ने कथित तौर पर जो मजाक किया उसके बाद उन्हें कैसा बवाल झेलना पड़ा।

सारा की कौन सी हरकत पड़ी ओरी पर भारी?

ओरी ने पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'कुछ समय पहले मैं और सारा एक पार्टी में गए थे। सारा उस समय एक मशहूर एक्ट्रेस बन चुकी थीं। मगर मुझे ज्यादा लोग नहीं जानते थे। उस पार्टी में बैठने की जगह नहीं थी। तब सारा को एक लड़की कुर्सी पर बैठी दिखी। सारा ने उस लड़की को धक्का दे दिया। इसके बाद उस लड़की ने सारा को उसकी पॉपुलैरिटी के चलते कुछ नहीं कहा, मगर मुझसे वह झगड़ने लगी। कुछ समय बाद वह लड़की शांत हो गई। उसने मुझसे कहा कि कोई बात नहीं गलती से हो गया होगा। इस पूरे मामले में मेरी कोई गलती भी नहीं थी फिर भी मैंने बातें सुनीं।'

कभी थीं अच्छी दोस्ती अब रिश्तों में कड़वाहट

बॉलीवुड में एक्ट्रेस सारा अली खान और ओरी की दोस्ती के काफी चर्चे थे। एक समय दोनों ही एक दूसरे के अच्छे दोस्त थे। मगर बीते कुछ वक्त से दोनों की दोस्ती में कड़वाहट आ गई। एक दूसरे को अनफॉलो करना, क्रिप्टिक पोस्ट और एक दूसरे को तीखीं टिप्पणियां देने से दोस्ती टूटने की खबर फैंस तक पहुंची। दरअसल, जनवरी 2026 में ओरी ने एक वीडियो शेयर किया था।

अनुराग कश्यप @54: फुटपाथ पर गुजारी रातें पिता ने उधार लेकर पढ़ाया 'वासेपुर' के जिक्र पर चिढ़ते हैं निर्देशक?

Anurag Kashyap Birthday: अनुराग कश्यप ने अपनी अलग तरह की फिल्मों से इंडस्ट्री में अपना अलग नाम कमाया है। वह बचपन से संघर्ष करते रहे। आज उनके जन्मदिन पर आइए उनसे जुड़े कुछ किस्सों के बारे में जानते हैं। अनुराग कश्यप आज इंडस्ट्री में बड़ा नाम हैं। वह एक बेहतरीन निर्देशक के साथ-साथ निर्माता, लेखक और अभिनेता भी हैं। उन्होंने बॉलीवुड को 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'देव डी' और 'ब्लैक फ्राइडे' जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। हालांकि उनका सफर बहुत आसान नहीं रहा। उन्होंने मुंबई में दर-दर की ठोकरें खाईं हैं और गलियों की खाक छानी है। आज उनके 54वें जन्मदिन पर आइए उनसे जुड़े संघर्ष के किस्से जानते हैं। इसके अलावा यह भी जानते हैं कि वह अपनी फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' का जिक्र करने पर क्यों चिढ़ जाते हैं। अनुराग कश्यप के पिता ने उधार मांग कर उन्हें ग्वालियर के एक महंगे बोर्डिंग स्कूल में पढ़ने भेजा था। उनके पिता चाहते थे कि उनका बेटा जीवन में बहुत आगे बढ़े और शिक्षित हो। अनुराग खुद मानते हैं कि अगर उनके पिता उन्हें उस स्कूल में नहीं भेजते, तो शायद वह बनारस में ही कुछ और कर रहे होते। अनुराग कश्यप का सपना वैज्ञानिक बनने का था। पढ़ाई के वक्त एक फिल्म फेस्टिवल के दौरान उन्होंने मशहूर इटालियन फिल्म 'बाइसिकल थीव्स' देखी। इस फिल्म का उन पर ऐसा असर हुआ कि उन्होंने वैज्ञानिक बनने के बजाए फिल्ममेकर बनने की ठान ली। साल 1993 के दौर में वह सिर्फ पांच हजार रुपये लेकर मुंबई पहुंचे थे। कुछ ही दिनों में उनके पैसे खत्म हो गए और उनके पास रहने के लिए कोई जगह नहीं थी। अनुराग कश्यप के मुताबिक उन्होंने कई महीनों तक मुंबई की सड़कों पर रातें काटी हैं। यही नहीं वह जुहू बीच पर सोए। कॉलेज के लड़कों के साथ हॉस्टल में छिपकर रहे हैं

Aaj ka Rashifal 10 September

मेष-वृषभ समेत इन 2 राशियों पर मेहरबान रहेंगे ग्रह, धन-करियर में मिल सकता है बड़ा लाभ

आज सितारे आपके लिए क्या संकेत दे रहे हैं? जानिए 10 सितंबर 2026 का राशिफल। करियर, धन, प्रेम और सेहत के मामले में कैसा रहेगा, पढ़ें पूरी भविष्यवाणी।

10 सितंबर का राशिफल: ग्रहों की चाल और नक्षत्रों की स्थिति आज कई राशियों के लिए महत्वपूर्ण संकेत लेकर आई है। चंद्रमा के साथ अन्य ग्रहों के प्रभाव से दिनभर की ऊर्जा और परिस्थितियों में बदलाव देखने को मिल सकता है। आज का दैनिक राशिफल आपको करियर, नौकरी, व्यापार, धन, प्रेम, परिवार और स्वास्थ्य से जुड़े जरूरी संकेत बताएगा। मेष से मीन राशि तक जानें किस राशि के जातकों को आज मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, किसे कार्यक्षेत्र में नई सफलता मिलने के योग हैं और किन राशियों को धन या रिश्तों के मामले में थोड़ा सावधान रहने की जरूरत होगी। ग्रहों की स्थिति कुछ लोगों के लिए नए अवसरों के द्वार खोल सकती है

जबकि कुछ राशियों को आज धैर्य और समझदारी से फैसले लेने की सलाह दी जाती है।आइए जानते हैं 10 सितंबर 2026 का आज का राशिफल और ग्रहों की चाल आपके लिए क्या संदेश लेकर आई है।

मेष

आज आपका प्रभाव और मान-सम्मान दोनों बढ़ सकते हैं। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन खास रहेगा और उनकी प्रतिष्ठा मजबूत होगी। हालांकि किसी की कही बात को दिल से लगाने से मन परेशान हो सकता है। छोटी-सी बात को बड़ा बनाने से बचें और धैर्य बनाए रखें। माताजी की सेहत, खासकर पैरों से जुड़ी परेशानी पर ध्यान देना जरूरी होगा। कार्यक्षेत्र की राजनीति से जितना दूर रहेंगे, उतना ही आपके हित में रहेगा।

वृषभ

आज संपत्ति और निवेश के मामलों में भाग्य आपका साथ दे सकता है। एक साथ कई जिम्मेदारियां आने से व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन प्रॉपर्टी खरीदने या बेचने का लंबे समय से देखा सपना पूरा होने के संकेत हैं। कारोबार में अच्छा मुनाफा मिलने से उत्साह बढ़ेगा। हालांकि किसी बाहरी व्यक्ति की सलाह पर आंख बंद करके भरोसा न करें। कानूनी मामलों में छोटी-सी लापरवाही भी आगे बड़ी परेशानी बन सकती है।

मिथुन

आज आपके अच्छे काम और समाजसेवा आपकी पहचान को और मजबूत कर सकते हैं। नई कोशिशों में सफलता मिलेगी और आपकी तारीफ भी होगी। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को मेहनत में कोई कमी नहीं छोड़नी चाहिए। मन आज थोड़ा मौज-मस्ती में रहेगा, इसलिए जरूरी काम टालने से बचें। परिवार में विवाह से जुड़ी किसी रुकावट को दूर करने में किसी करीबी का सहयोग मिल सकता है।

कर्क

आज का दिन कई अच्छी संभावनाएं लेकर आएगा, हालांकि मन किसी बात को लेकर थोड़ा बेचैन रह सकता है। भाई-बहनों के साथ रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कोई आपके ऊपर गलत आरोप लगाने की कोशिश कर सकता है, इसलिए अपनी बात समझदारी और शांति से रखें। संतान की उपलब्धि आपको गर्व और खुशी देगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा, लेकिन पेट से जुड़ी परेशानी को नजरअंदाज न करें।

सिंह

आज का दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है। पड़ोस या आसपास के विवादों में पड़ने के बजाय दूरी बनाए रखना आपके लिए अच्छा रहेगा। पुराने लेनदेन की कोई उलझन सुलझ सकती है। अपने काम की जिम्मेदारी खुद संभालें और दूसरों पर जरूरत से ज्यादा निर्भर न रहें। संतान के साथ घूमने-फिरने का अवसर मिलेगा। वहीं किसी पुराने मित्र से अचानक मुलाकात आपकी खुशियों को और बढ़ा सकती है।

कन्या

आज सफलता के नए दरवाजे खुल सकते हैं और तरक्की की राह भी आसान होगी। लंबे समय से अटका हुआ सरकारी काम पूरा होने की उम्मीद है। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें। विदेश में पढ़ाई का सपना देख रहे विद्यार्थियों को कोई अच्छी खबर मिल सकती है। माताजी से हुई बातचीत आपकी किसी बड़ी उलझन का समाधान दे सकती है। अपनी जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश भी सफल होती दिखाई दे रही है।

तुला

आज आपकी मेहनत आखिरकार अपना असर दिखाएगी और आपको उसका पूरा लाभ मिल सकता है। भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए धन निवेश की नई योजनाओं पर विचार करेंगे। कानूनी मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही नुकसान पहुंचा सकती है, इसलिए सतर्क रहें। किसी सहयोगी की बात मन को ठेस पहुंचा सकती है। परिवार का कोई सदस्य नौकरी के सिलसिले में दूर जा सकता है, जिससे घर का माहौल कुछ भावुक हो सकता है।

वृश्चिक

आज आपका दिमाग नए विचारों से भरा रहेगा और कई शानदार योजनाएं सामने आ सकती हैं। व्यापार में नई शुरुआत भविष्य में अच्छा लाभ दे सकती है। जीवनसाथी के करियर में भी कोई नया अवसर दस्तक दे सकता है। आय में बढ़ोतरी से आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और मन प्रसन्न रहेगा। लंबे समय से अटका काम पूरा होने से बड़ी राहत मिलेगी। किसी महत्वपूर्ण फैसले में पिताजी की सलाह आपके लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है।

धनु

आज पैसों के लेनदेन में विशेष सावधानी बरतना जरूरी होगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता अच्छी रहेगी, लेकिन किसी के बहकावे में आकर फैसला लेने से बचें। माताजी की कोई बात आपको थोड़ी बुरी लग सकती है। कार्यक्षेत्र में कोई सहयोगी आपके लिए परेशानी खड़ी करने का प्रयास कर सकता है, इसलिए सतर्क रहें। विद्यार्थियों का मानसिक दबाव कम होगा। पूजा-पाठ और धार्मिक गतिविधियों में समय बिताने से मन को गहरा सुकून मिलेगा।

मकर

आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदें और संभावनाएं लेकर आएगा। यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान कोई ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आगे आपके काम आए। राजनीति से जुड़े लोगों को बड़ा पद, जिम्मेदारी या सम्मान मिल सकता है। नया वाहन खरीदने की इच्छा भी पूरी हो सकती है। पुराने लेनदेन से जुड़ी कोई बात थोड़ी चिंता दे सकती है, लेकिन संतान की ओर से मिलने वाली खुशखबरी पूरे दिन का माहौल खुशनुमा कर देगी।

कुंभ

आज आपके आसपास खुशी और मौज-मस्ती का माहौल रहेगा। छोटे बच्चों के साथ बिताया समय आपकी सारी थकान और तनाव दूर कर देगा। पिताजी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट या सुखद समाचार मिल सकता है। यात्रा के दौरान अपने कीमती सामान का ध्यान जरूर रखें। धन और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी के संकेत हैं। स्वास्थ्य से जुड़ी पुरानी परेशानी में राहत मिलने से मन हल्का होगा और कोई खास इच्छा भी पूरी हो सकती है।

मीन

आज भागदौड़ कुछ ज्यादा रहेगी और कई कामों के कारण मन थोड़ा उलझा हुआ महसूस कर सकता है। जिम्मेदारियों में लापरवाही करने से आगे परेशानी हो सकती है, इसलिए हर काम समय पर पूरा करने की कोशिश करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर विशेष ध्यान देना होगा, वरना परीक्षा के समय मुश्किल हो सकती है। दूसरों के मामलों में बिना जरूरत सलाह देने से बचें। आपके भीतर ऊर्जा की कोई कमी नहीं रहेगी, बस उसे सही दिशा में लगाना जरूरी होगा।

Aaj Ka Love Rashifal

धनु-मकर राशि वाले पार्टनर के साथ बिताएंगे खूबसूरत पल, प्रेम जीवन में आएगी नई खुशियां

Today Love Horoscope: 10 सितंबर 2026 का आज का लव राशिफल जानें। ग्रहों की चाल से आपके प्रेम जीवन में क्या बदलाव आएंगे? जानें सभी 12 राशियों के लिए प्यार, रिश्ते और पार्टनर से जुड़े खास संकेत।

Love Rashifal Today: 10 सितंबर 2026 को ग्रहों की चाल प्रेम और रिश्तों के मामले में कई महत्वपूर्ण संकेत दे रही है। आज कुछ राशियों के प्रेम जीवन में नजदीकियां बढ़ सकती हैं, जबकि कुछ लोगों को रिश्ते में चल रही गलतफहमियों को दूर करने के लिए खुलकर बातचीत करनी पड़ सकती है। पार्टनर के साथ बिताया गया समय रिश्ते को मजबूत करने में मदद करेगा वहीं सिंगल लोगों के लिए भी किसी खास व्यक्ति से मुलाकात या बातचीत की शुरुआत होने के योग बन सकते हैं। आज का लव राशिफल आपको बताएगा कि मेष से मीन राशि तक किसके रिश्ते में प्यार और रोमांस बढ़ेगा, किसे पार्टनर का पूरा सहयोग मिलेगा और किन राशियों को प्रेम संबंधों में थोड़ा संयम बरतने की जरूरत होगी।

साप्ताहिक राशिफल (7 से 13 सितंबर): मेष-सिंह के लिए शुभ, तुला की बढ़ेगी भागदौड़, पढ़ें 12 राशियों का हाल

सितंबर का दूसरा सप्ताह धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद खास रहने वाला है। ऐसे में आइए जानते हैं 07 से 13 सितंबर 2026 तक का साप्ताहिक राशिफल।

सितंबर का दूसरा सप्ताह यानी 7 से 13 सितंबर 2026 ज्योतिषीय दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस दौरान 7 सितंबर को बुध कन्या राशि में प्रवेश करेंगे, हां उसे मजबूत स्थिति में माना जाता है। इससे बुद्धि, तर्क, व्यापार, शिक्षा और करियर से जुड़े मामलों में सकारात्मक बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। वहीं 11 सितंबर को अमावस्या का प्रभाव भी रहेगा, जिससे कई राशियों के लिए नई शुरुआत और योजनाओं में बदलाव के योग बनेंगे। इस सप्ताह कुछ लोगों को आर्थिक और पेशेवर मामलों में लाभ मिल सकता है, जबकि कुछ राशियों को जल्दबाजी और अनावश्यक खर्च से बचना होगा। आइए जानते हैं 7 से 13 सितंबर 2026 तक का साप्ताहिक राशिफल।

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह भी बीते हफ्ते की तरह अत्यंत ही शुभ, लाभप्रद और प्रगतिदायक कहा जाएगा। इस सप्ताह किस्मत के सितारे आप पर पूरी तरह से मेहरबान रहेंगे, जिसके कारण आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मनचाही सफलता प्राप्त होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। अधिकारी वर्ग आपके कामकाज से प्रसन्न रहेगा और सहकर्मी आपका पूरा सहयोग और समर्थन करेंगे। सप्ताह के मध्य में आपको किसी कार्य विशेष के लिए पुरस्कृत किया जा सकता है। इस दौरान आपका मन धार्मिक-सामाजिक कार्यों में ज्यादा लगेगा। युवाओं का अधिकांश समय मौज-मस्ती करते हुए बीतेगा। यदि आप उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत हैं तो उसकी प्राप्ति में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

विद्यार्थी वर्ग अध्ययन में एकाग्रता महसूस करेंगे। व्यवसाय की दृष्टि से सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध कहीं ज्यादा शुभ एवं लाभप्रद रहेगा। इस दौरान कारोबारी मामलों में अनुकूलता रहेगी। बाजार में आई तेजी का लाभ उठाने में आप सफल रहेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरीपेशा वर्ग की आय के नये स्रोत बनेंगे। प्रेम प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी। लव पार्टनर के साथ नजदीकियां और आपसी विश्वास बढ़ेगा। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

उपाय: प्रतिदिन स्फटिक के श्रीयंत्र की पूजा और श्री महालक्ष्मी अष्टकं का पाठ करें।

आज का अंक ज्योतिष 10 सितंबर: मूलांक 6 और 8 वालों की तरक्की के साथ बढ़ेगा मान-सम्मान, धन लाभ के संकेत

10 सितंबर 2026 का आज का अंक ज्योतिष जानें। अंक और ग्रहों के प्रभाव से आज आपका करियर, धन, प्रेम और स्वास्थ्य कैसा रहेगा, साथ ही जानें किस मूलांक के लिए आज का दिन रहेगा शुभ और किसे रहना होगा सावधान।

10 सितंबर अंक ज्योतिष: 10 सितंबर 2026 का दिन अंक ज्योतिष के लिहाज से कई मूलांक वालों के लिए खास संकेत लेकर आया है। अंकों के प्रभाव से आज आपके जीवन में करियर, नौकरी, व्यापार, धन, प्रेम और पारिवारिक मामलों से जुड़े कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। किसी मूलांक के जातकों को मेहनत का शानदार परिणाम मिल सकता है तो कुछ लोगों को आज जल्दबाजी में फैसला लेने से बचने की सलाह दी जाती है। आइए जानते हैं 10 सितंबर 2026 का अंक ज्योतिष और मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए आज का दिन कैसा रहने वाला है। साथ ही जानें आपका शुभ अंक, शुभ रंग और आज के खास ज्योतिषीय संकेत।

सूर्य-केतु युति 2026: 17 सितंबर तक इन राशि वालों का समय रहेगा गोल्डन, करियर-धन में मिलेगा बड़ा लाभ

Surya Ketu Yuti 2026: 17 सितंबर 2026 को सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। तब तक सूर्य-केतु की यह युति प्रभावी रहने वाली है, जिससे कुछ राशियों को विशेष लाभ संभव है। आइए इन लकी राशियों को जानते हैं।

Surya Ketu Yuti 2026: ज्योतिषियों के अनुसार, सूर्य अभी अपनी राशि सिंह में गोचर कर रहे हैं और यहां उनकी युति केतु के साथ बन रही है। सूर्य-केतु की यह युति कुछ राशि वालों के लिए विशेष लाभकारी साबित हो सकती है। माना जा रहा है कि, 17 सितंबर 2026 को सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। तब तक सूर्य-केतु की यह युति प्रभावी रहने वाली है। ऐसे में तबतक कुछ राशियों का समय बेहद कल्याणकारी रह सकता है। इस दौरान जातकों को करियर, नौकरी, व्यापार और निवेश से जुड़े मामलों में अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। साथ ही कई अटके कामों में गति आने और नए अवसर मिलने के भी योग बन सकते हैं। आइए जानते हैं कौन-सी राशियां इस दौरान लकी रहने वाली हैं।

मेष राशि

मेष राशि वालों को इस दौरान धन लाभ हो सकता है। करियर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे और परिवार में खुशियां बनी रहेंगी। यदि आप किसी काम को लेकर लंबे समय से प्रयास कर रहे थे तो उसमें सफलता मिल सकती है। कारोबार के क्षेत्र में भी सकारात्मक अवसर सामने आ सकते हैं। आपका अधिकांश समय मौज-मस्ती और दोस्तों के साथ बित सकता है। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो सकती है। पैतृक संपत्ति से आपको अच्छा खासा धन अर्जित करने का मौका मिलेगा।

सिंह राशि

सिंह राशि वालों को नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। करियर के मोर्चे पर नई जिम्मेदारी मिलने के भी योग बन रहे हैं, जो भविष्य में आपके लिए लाभकारी साबित हो सकती है। आपका मन धार्मिक-सामाजिक कार्यों में ज्यादा लगेगा। इस दौरान आपके कई काम मनचाहे तरीके से पूरे हो सकते हैं। घर में लंबे समय से अटका कोई जरूरी काम भी पूरा होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और क्षमता की सराहना हो सकती है। ईमानदारी आपके रिश्ते को मजबूत बनाएगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलने की संभावना अधिक रहेगी।

शरणार्थी समझ होटल घेरने पहुंचे प्रदर्शनकारी: अंदर निकली पाकिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम राज खुला तो मचा बवाल

इंग्लैंड के पोर्ट्समाउथ में पाकिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम को शरण मांगने वाले लोगों का समूह समझ लिया गया। करीब 40 विदेशी युवकों के होटल पहुंचने की खबर के बाद प्रदर्शनकारी जुट गए। बाद में पता चला कि होटल में पाकिस्तान की क्रिकेट टीम ठहरी है, जिसके बाद स्थिति शांत हुई। इंग्लैंड के पोर्ट्समाउथ में पाकिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम के साथ मैदान से बाहर ऐसी घटना हुई, जिसने सभी को हैरान कर दिया। जिस समूह को देखकर प्रदर्शनकारी होटल के बाहर पहुंच गए थे, वह कोई शरण मांगने वाले लोगों का दल नहीं, बल्कि पाकिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम थी। मामला तब साफ हुआ, जब पुलिस और स्थानीय पार्षद ने स्थिति की जानकारी जुटाई। इसके बाद प्रदर्शनकारियों को अपनी गलती का पता चला और भीड़ वहां से चली गई।

होटल के बाहर जुटे 30 से 40 प्रदर्शनकारी

यह पूरा मामला मंगलवार शाम पोर्ट्समाउथ के मैरियट होटल के बाहर हुआ, जहां पाकिस्तान की अंडर-19 टीम ठहरी हुई थी। विदेशी नागरिकों के एक समूह के कोच से पहुंचने की अफवाह ऑनलाइन फैलने के बाद करीब 30 से 40 लोग होटल के बाहर जमा हो गए। शाम करीब साढ़े छह बजे से पहले पुलिस को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्थिति की जानकारी लेने के बाद पता लगाया कि जिस समूह को लेकर प्रदर्शनकारी पहुंचे थे, वह वास्तव में पाकिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम थी। मामले को शांत कराने में रिफॉर्म पार्टी के पार्षद जॉर्ज मैडग्विक ने मदद की। उन्होंने होटल से संपर्क किया और पाकिस्तान की टीम के कोच से बात की। इसके बाद उन्होंने बाहर मौजूद प्रदर्शनकारियों को समझाया कि उन्होंने गलत समूह को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। मैडग्विक ने द गार्जियन से कहा, 'मैंने टीम के कोच से बात की, जो काफी समझदार थे। मैं प्रदर्शनकारियों के पास गया और उनसे कहा, 'आप लोगों से गलती हो गई है, यह एक क्रिकेट क्लब है।'' वे कुछ ही मिनट में वहां से चले गए। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी।

एक तस्वीर से शुरू हुई पूरी गलतफहमी

रिपोर्ट के मुताबिक, इस गलतफहमी की शुरुआत एक तस्वीर से हुई। एक कोच से लोगों के उतरने की तस्वीर ऑनलाइन साझा की गई और उसके बाद वहां मौजूद लोगों की पहचान को लेकर अनुमान लगाए जाने लगे। हालांकि, इस बात की कोई पुष्टि नहीं थी कि वे शरण मांगने वाले लोग थे।

मैडग्विक ने बीबीसी से कहा, 'ऑनलाइन किसी ने लोगों के एक समूह को देखा, जो विदेशी नागरिकों जैसा लग रहा था। उन्होंने कोच से उतरते हुए लोगों की तस्वीर ऑनलाइन डाल दी और यहीं से यह बात शुरू हुई। यह सिर्फ अनुमान था, इसका सच्चाई या तथ्य से कोई लेना-देना नहीं था।'

हैम्पशायर पुलिस ने भी पुष्टि की कि अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बात की और उन्हें बताया कि उनकी चिंता गलतफहमी पर आधारित थी। किसी अपराध की पहचान नहीं हुई और रात करीब नौ बजे से पहले भीड़ वहां से चली गई।

ईसीबी ने टीम की सुरक्षा की समीक्षा शुरू की

इस घटना पर पोर्ट्समाउथ नॉर्थ की सांसद अमांडा मार्टिन ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'प्रवास को लेकर एक वैध बहस हो सकती है, लेकिन यह तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए, गलत सूचना या अफवाह पर नहीं।' घटना के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान की अंडर-19 टीम की सुरक्षा और हालचाल की जानकारी ली है। साथ ही, दौरे के बाकी हिस्से के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है। मैडग्विक ने यह भी कहा कि पोर्ट्समाउथ के लोग पहले से ही ऐसी घटनाओं को लेकर सतर्क हैं। उनके मुताबिक, जिस कंपनी की बस करीब 40 विदेशी लोगों को लेकर आई थी, वही कंपनी पहले शरण मांगने वाले लोगों को भी लेकर आती रही थी। इसी वजह से गलतफहमी पैदा हुई। इंग्लैंड के खिलाफ जारी है पाकिस्तान का दौरा

पाकिस्तान की अंडर-19 टीम अपने इंग्लैंड दौरे पर मुकाबले खेल रही है। टीम ने अरुंडेल में इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ चार दिवसीय मुकाबला खेला था, जिसमें उसे 10 रन से हार मिली। इसके बाद 9 सितंबर को खेले गए यूथ वनडे में पाकिस्तान ने शानदार वापसी करते हुए 177 रन से जीत दर्ज की। इसी दौरान पाकिस्तान की सीनियर पुरुष टीम भी इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला एजबेस्टन में खेल रही है।

- गलतफहमी का शिकार हुआ प्रदर्शन: स्थानीय प्रदर्शनकारियों का एक समूह शरणार्थियों के आगमन के विरोध में एक होटल के बाहर इकट्ठा हुआ था।
- पाकिस्तान की अंडर-19 टीम: हंगामे के बीच जब सच्चाई सामने आई, तो पता चला कि होटल के अंदर शरणार्थी नहीं, बल्कि पाकिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम रुकी हुई है।
- स्थिति तनावपूर्ण: पहचान उजागर होने के बाद मौके पर भारी हंगामा मच गया और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करनी पड़ी।

सुरक्षा इंतजाम और प्रशासनिक प्रतिक्रिया

भारी पुलिस बल की तैनाती: स्थिति को बेकाबू होने से रोकने के लिए स्थानीय पुलिस और सुरक्षा बलों ने तुरंत मोर्चा संभाला और होटल के चारों तरफ मजबूत घेराबंदी कर दी।

खिलाड़ियों की सुरक्षा सर्वोपरि: सुरक्षा एजेंसियों ने खिलाड़ियों को होटल के कमरों के अंदर ही रहने की सख्त हिदायत दी और किसी भी बाहरी व्यक्ति या मीडिया को अंदर जाने से रोक दिया गया, ताकि कोई अप्रिय घटना न घटे।

महिला एशिया कप का सेमीफाइनल:

भारतीय महिला टीम का सामना आज एशिया कप के सेमीफाइनल में बांग्लादेश से है। यह मुकाबला दुबई में खेला जाएगा। रिकॉर्ड और इतिहास को देखें तो भारतीय टीम का पलड़ा काफी मजबूत है, लेकिन हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम कोई जोखिम नहीं उठाना चाहेगी। आइए जानते हैं दोनों टीमों के बीच इस मैच से जुड़ी अहम बातें. सात बार की चैंपियन भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ महिला एशिया कप के पहले सेमीफाइनल में उतरेगी तो कड़ी मैदानी प्रतिद्वंद्विता और दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव की पृष्ठभूमि में होने वाले इस मुकाबले में हरमनप्रीत कौर की टीम का पलड़ा भारी रहेगा। बांग्लादेश में राजनीतिक बदलाव के बाद भारत और बांग्लादेश के राजनयिक संबंध तनावपूर्ण रहे हैं।

ग्रुप में शीर्ष पर रहा था भारत

मौजूदा राजनीतिक तनाव के कारण भारतीय पुरुष टीम का बांग्लादेश दौरा कई बार स्थगित हो चुका है। जहां तक क्रिकेट का सवाल है तो भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रही है और सारे मैच जीतकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। ग्रुप चरण में भारत ने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 55 रन पर समेटकर सात विकेट से जीत हासिल की । भारतीय बल्लेबाजी काफी मजबूत रही है और स्मृति मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ 64 गेंद में 124 रन बनाकर फिर साबित कर दिया कि उन्हें आधुनिक दौर के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में क्यो गिना जाता है। महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 3000 रन पूरे करने वाली विस्फोटक बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने टीम को अच्छी शुरूआत देकर पावरप्ले में विरोधी टीमों को दबाव में रखा है। मध्यक्रम में कप्तान हरमनप्रीत और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने आखिरी ओवरों में अच्छे रन बनाए हैं। गेंदबाजी में भारत के पास विविधता और गहराई है। दीप्ति शर्मा महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। उन्होंने राधा यादव और श्री चरणी के साथ मिलकर हर मैच में स्पिन का जाल बखूबी बुना है। तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर के पास भी नई गेंद से टीम को शुरुआती सफलताएं दिलाने की क्षमता है। दूसरी ओर बांग्लादेश ने यूएई को 34 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

टी20 सीरीज: क्या अफगानिस्तान के खिलाफ खेल पाएंगे सुंदर-नीतीश?

फिटनेस टेस्ट का क्या हुआ? बुमराह-राणा पर सस्पेंस

अफगानिस्तान के खिलाफ 13 सितंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज से पहले भारत को अच्छी खबर मिली है। वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी फिट होकर टीम से जुड़ने वाले हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह और हर्षित राणा की उपलब्धता पर अभी स्थिति साफ नहीं है। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज शुरू होने से पहले भारतीय टीम को दो बड़ी राहत मिली हैं, लेकिन साथ ही दो अहम खिलाड़ियों को लेकर सस्पेंस भी बना हुआ है। चोट के कारण लंबे समय से टीम से बाहर चल रहे वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी पूरी तरह फिट हो चुके हैं और उनके आगामी सीरीज में खेलने की संभावना है। दोनों गुरुवार को नई दिल्ली में भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे।

बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बंगलूरू में दोनों खिलाड़ियों ने फिटनेस टेस्ट और मैच सिमुलेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। घटनाक्रम पर नजर रखने वाले एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से कहा, 'सुंदर और रेड्डी दोनों कुछ समय पहले ही पूरी तरह फिट हो गए थे। दोनों ने बंगलूरू स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट और मैच सिमुलेशन पास कर लिया है।' वॉशिंगटन सुंदर को जुलाई में कार्डिफ में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी। इसी वजह से वह हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ हुई

वहीं नीतीश कुमार रेड्डी ने भारत के लिए आखिरी मुकाबला जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान खेला था। इसके बाद बाएं क्वाड्रिसेप्स में चोट बढ़ने के कारण वह आयरलैंड, इंग्लैंड और श्रीलंका के दौरों से बाहर हो गए थे। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के सीरीज में शामिल होने को लेकर अभी कोई पक्की जानकारी नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में फील्डिंग के दौरान घुटने में लगी चोट के बाद से वह मैदान से बाहर हैं।

इसके अलावा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हर्षित राणा की फिटनेस पर भी नजरें हैं। वह जुलाई में इंग्लैंड दौरे के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं। अगर बुमराह या हर्षित में से कोई भी टीम से नहीं जुड़ता है तो स्थानीय तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को आखिरी समय में टीम में शामिल करने का विकल्प मौजूद है।

अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज 13 सितंबर से शुरू होगी। यह दोनों टीमों के बीच टी20 प्रारूप में पहली द्विपक्षीय सीरीज भी होगी। भारत के लिए यह जापान रवाना होने से पहले तैयारी का अहम मौका है। भारत 22 सितंबर को जापान के खिलाफ सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में एकमात्र टी20 मुकाबला खेलेगा

क्रिकेट के 3 अनसुने किस्से: जब सर विवियन ने बॉल का वजन पूछा गांगुली ने वॉ को तड़पाया मियांदाद की निकली हेकड़ी

क्रिकेट में मुकाबला सिर्फ बल्ले और गेंद का नहीं होता, मैदान पर खिलाड़ियों के बीच जुबानी जंग भी खूब देखने को मिलती है। कई बार स्लेजिंग का जवाब ऐसा मिलता है कि सामने वाला खिलाड़ी निरुत्तर हो जाता है। विव रिचर्ड्स, सौरव गांगुली और जावेद मियांदाद से जुड़े तीन ऐसे ही मजेदार किस्से क्रिकेट प्रेमियों को खूब गुदगुदाते हैं। क्रिकेट के मैदान पर चौके-छक्कों और विकेटों का रोमांच तो सभी देखते हैं, लेकिन खेल के दौरान खिलाड़ियों के बीच होने वाली नोकझोंक भी कम दिलचस्प नहीं होती। क्रिकेट की भाषा में इसे 'स्लेजिंग' कहा जाता है। अक्सर गेंदबाज बल्लेबाज का ध्यान भटकाने के लिए कुछ कहता है, लेकिन कई बार मामला उल्टा पड़ जाता है और जवाब ऐसा मिलता है कि स्लेजिंग करने वाले के पास कोई जवाब नहीं होता है। क्रिकेट इतिहास में ऐसे कई किस्से हैं, जो मुकाबले से ज्यादा खिलाड़ियों के मजेदार जवाबों के लिए याद किए जाते हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही तीन किस्से, जिनमें मैदान पर हुई जुबानी जंग ने खूब सुर्खियां बटोरीं। सर विवियन रिचर्ड्स का खौफ ऐसा था कि अच्छे-अच्छे गेंदबाज उनके सामने आने से कतराते थे। एक इंग्लिश काउंटी मैच के दौरान ग्लेमोर्गन के तेज गेंदबाज ग्रेग थॉमस ने रिचर्ड्स की टांग खींचने की कोशिश की। रिचर्ड्स क्रीज पर आए और शुरुआती कुछ गेंदों पर बीट हुए। इसके बाद थॉमस ने कहा, 'विव, यह लाल रंग की गोल चीज है

रिचर्ड्स ने इसका कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन अगली ही गेंद पर उन्होंने ऐसा गगनचुंबी छक्का लगाया कि गेंद स्टेडियम के बाहर नदी में जा गिरी। इसके बाद रिचर्ड्स ने थॉमस की तरफ देखा, मुस्कुराए और कहा, 'गेंद का वजन और रंग तो तुम्हें पता ही है, अब जाओ और उसे बाउंड्री के बाहर से ढूंढकर लाओ।' थॉमस के लिए यह जवाब सुनना किसी करारे पलटवार से कम नहीं था।

2001 की भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज क्रिकेट इतिहास की सबसे महान सीरीज में से एक मानी जाती है। उस समय ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव वॉ अपनी 'माइंड गेम्स' और स्लेजिंग के लिए मशहूर थे। भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने भी इसका जवाब अपने अंदाज में देने का फैसला किया। विशाखापत्तनम में टॉस का समय सुबह 8:30 बजे था। स्टीव वॉ पूरी तरह तैयार होकर ब्लेजर पहनकर पिच पर पहुंच गए, लेकिन गांगुली वहां नहीं थे। स्टीव वॉ धूप में खड़े होकर इंतजार करते रहे।

गांगुली काफी देर बाद आराम से अपना ब्लेजर ढूंढते हुए पहुंचे। इस तरह उन्होंने स्टीव वॉ को इंतजार कराया और उन्हें धूप में खड़ा रहना पड़ा। गांगुली ने बाद में हंसते हुए कबूल किया था कि उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम के घमंड को तोड़ने और स्टीव वॉ को सबक सिखाने के लिए ऐसा कई बार किया था।

साल 1991 का एडिलेड टेस्ट। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर इयान हीली और महान बल्लेबाज जावेद मियांदाद के बीच हमेशा से छत्तीस का आंकड़ा रहा था। इसी दौरान मियांदाद क्रीज पर थे और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मर्व ह्यूज गेंदबाजी कर रहे थे। मियांदाद ने मर्व ह्यूज को चिढ़ाने के लिए कहा, 'मर्व, तुम बहुत मोटे हो। तुम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर नहीं, बल्कि बस एक बस ड्राइवर जैसे लगते हो।'

मर्व ह्यूज ने उस समय कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन कुछ ओवर बाद उन्होंने मियांदाद को क्लीन बोल्ड कर दिया। मियांदाद के पवेलियन की तरफ मुड़ते ही मर्व ह्यूज उनके पीछे भागे और चिल्लाए, 'टिकट प्लीज! अपनी बस की टिकट दिखाते जाओ!' इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हंसने लगे। मैदान पर हुई यह नोकझोंक क्रिकेट के मजेदार किस्सों में शामिल हो गई। पाकिस्तान के बल्लेबाज जावेद मियांदाद अपने आक्रामक रवैये और मैदान पर स्लेजिंग (Sledging) के लिए कुख्यात थे। भारत-पाकिस्तान मुकाबलों के दौरान वे अक्सर विपक्षी खिलाड़ियों को ताने मारते थे।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300